“ दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।”

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

प्रेरणा भारती NEWS NETWORK

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 144 वर्ष -11 ज्येष्ठ पूर्णिमा 2082 सोमवार (1 जून 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

पीएम मोदी ने मन की बात में की अपील, भीषण गर्मी में खुद को रखें हाइड्रेटेड, देसी ड्रिंक्स, क्षेत्रीय आमों की तारीफ की

नई दिल्ली (एजें) ३१ मई : . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार, ३१ मई को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया. देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार बढ.रहे तापमान और भीषण गर्मी के बीच, प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने और खुद को हाइड्रेटेड रखने की अपील की. उन्होंने गर्मी से राहत पाने के लिए भारतीय रसोई के पारंपरिक और स्थानीय देसी पेय पदार्थों को अपनाने का सुझाव दिया. इसके साथ ही, उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले आमों की समृद्ध विविधता और किसानों के योगदान की सराहना की.देश भर में जारी लू और तेज धूप का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, अभी देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड.रही है. तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच इस मौसम में अपना ख्याल रखना बेहद जरूरी है. लगातार पानी पीते रहें.' उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी काम से धूप में बाहर जाना भी पडे, तो पूरी सावधानी के साथ जाएं और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली गाइडलाइन का पालन करना न भूलें.प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत में मौसम बदलने के साथ ही खान-पान की आदतें भी बदल जाती हैं. उन्होंने कहा कि गर्मी से लडने का तरीका अक्सर हमारी अपनी रसोइयों में ही मिल जाता है. जैसे ही तापमान बढता है, घरों में मिट्टी के घडों का पानी, दही का जमना और कच्चे आमों का उबलना शुरू हो जाता है, जो हमारे पारंपरिक और स्वदेशी पेय पदार्थों की शुरुआत का प्रतीक है. ये देसी ड्रिंक्स बिना किसी बडी ब्रांडिंग के, पीढि?ों के अनुभव को समेटे हुए हैं.

पीएम मोदी ने देश के विभिन्न राज्यों के लोकप्रिय पेय पदार्थों का उल्लेख करते हुए इन्हें एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतीक बताया. उन्होंने देश के अलग-अलग हिस्सों के पारंपरिक ड्रिंक्स का जिक्र कुछ इस तरह किया-

उत्तर भारत- कच्चा आम पन्ना जो गर्मी से तुरंत राहत देता है.

पंजाब और हरियाणा- बडे.गिलासों में परोसी जाने वाली लस्सी.

राजस्थान और गुजरात- हर भोजन का मुख्य हिस्सा मानी जाने वाली

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम मंत्रिमंडल में जल्द होंगे नए चेहरे शामिल, ५ जून को विस्तार संभव

गुवाहाटी, ३१ मई, (हि.स.)। असम सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार ५ जून को होने की संभावना है। इसको लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह गुवाहाटी में आयोजित किया जा सकता है। राज्य की राजनीति में इस विस्तार को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने संकेत दिया है कि विस्तारित मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले विधायकों की सूची को अंतिम रूप दिया जा चुका है। मंत्रिमंडल विस्तार के लिए आवश्यक अनुमोदन भी प्राप्त हो गया है।पाटी सूत्रों के अनुसार, शनिवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री डॉ. सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई मुलाकात के दौरान संभावित मंत्रियों की सूची पर अंतिम सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से ५ जून को मंत्रिमंडल विस्तार होने की जानकारी साझा की है।राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि इस विस्तार में ७ से १२ विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। साथ ही, कुछ

विभागों के पुनर्वितरण की भी संभावना जताई जा रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के साथ चार कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद से ही मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल करने और प्रशासनिक संतुलन को मजबूत करने को लेकर चर्चाएं तेज थीं। हालांकि, मंत्रिमंडल के अंतिम स्वरूप और संभावित मंत्रियों के नामों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।राज्य मंत्रिमंडल के इस विस्तार पर राजनीतिक दलों और प्रशासनिक हलकों की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इससे सरकार की आगामी रणनीति और राजनीतिक समीकरणों की झलक मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मिले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, 'विकसित असम' के रोडमैप पर हुई चर्चा

प्रेरणा प्रतिवेदन नई दिल्ली, ३१ मई। असम के मुख्यमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने 'विकसित असम' के लक्ष्य को गति देने और राज्य के समग्र विकास के लिए भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच द पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सर्बानंद सोनोवाल के साथ हर मुलाकात असम के भविष्य को लेकर गंभीर चर्चा और विकास की दिशा में आगे बढने का अवसर होती है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली में हुई इस बैठक में पिछले एक दशक के दौरान असम में हुए विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा राज्य की विकास यात्रा को और तेज.करने के उपायों पर चर्चा हुई।बैठक में आर्थिक विकास, आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विस्तार, निवेश, रोजगार सृजन तथा राज्य के समग्र प्रगति से जुडे.विभिन्न विषयों पर विचार किया गया। दोनों नेताओं ने असम को एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाने के उद्देश्य से चल रही प्रमुख योजनाओं और आगामी पहलों पर भी अपने विचार साझा किए।यह बैठक राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच विकास संबंधी प्राथमिकताओं को लेकर बेहतर समन्वय का प्रतीक मानी जा रही है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं ने असम की विकास गति को और मजबूत करने तथा 'विकसित असम' के विजन को साकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच हुई यह मुलाकात असम के दीर्घकालिक विकास एजेंडे को आगे बढाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

रंगिया के प्राथमिक विद्यालय परिसर में पाकिस्तानी झंडा मिलने से तनाव

कामरूप (असम), ३१ मई (हि.स.)। असम के रंगिया क्षेत्र में स्थित निज हचंग प्राथमिक विद्यालय के परिसर में पाकिस्तानी झंडा मिलने से स्थानीय स्तर पर तनाव का माहौल बन गया। घटना सामने आने के बाद इलाके में लोगों के बीच आक्रोश देखा गया और प्रशासन ने तुरंत जांच शुरू कर दी है।इस बीच स्थानीय बजरंग दल इकाई ने रविवार को इस घटना के संबंध में १२ घंटा रंगिया बंद की घोषणा की है। बंद का प्रभाव भी कुछ हिस्सों में देखा जा रहा है। हालांकि, किसी भी अप्रिय घटना की कोई सूचना सामने नहीं आई है। पुलिस और प्रशासन स्थिति को सामान्य बनाने के लिए सुरक्षा के कडे.इंतजाम किए हैं।जानकारी के अनुसार, प्रथामिक विद्यालय परिसर में ही आंगनबाडी केंद्र भी संचालित होता है। आंगनबाडी केंद्र के सामने एक ऊंचे स्थान पर शनिवार को पाकिस्तानी झंडा लगा हुआ पाया गया। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और विभिन्न संगठनों के सदस्य मौके पर पहुंच गए और घटना की निंदा करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की।घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम विधानसभा सचिवालय में नियम विरुद्ध नियुक्तियों पर गिरी गाज, २८ सेवाएं समाप्त

गुवाहाटी, ३१ मई, (हि.स.)। असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के कार्यकाल के दौरान हुई कथित अनियमित नियुक्तियों को लेकर विधानसभा सचिवालय में बडी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा के बाद अब तक कुल २८ कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नियुक्तियों में नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं की अनदेखी किए जाने के आरोपों के बाद विधानसभा सचिवालय ने भर्ती मामलों की जांच शुरू की थी। समीक्षा के दौरान कई नियुक्तियां नियमों के अनुरूप नहीं पाई गई, जिसके आधार पर संबंधित कर्मचारियों को पदमुक्त करने का निर्णय लिया गया।कार्रवाई के पहले चरण में २९ मई को १२ कर्मचारियों को सेवा से मुक्त किया गया था। इसके बाद शनिवार को १६ अन्य कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई। इस तरह दो चरणों में कुल २८ कर्मचारियों को पद से हटाया जा चुका है।सूत्रों के अनुसार, भर्ती संबंधी मामलों की जांच और समीक्षा प्रक्रिया अभी भी जारी है। प्रशासन का कहना है कि नियुक्तियों में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को विधानसभा सचिवालय में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियमसम्मत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, मामले से जुडे.अन्य नियुक्तियों की भी जांच की जा रही है और भविष्य में और कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

धुबडी , ३१ मइ (हि.स.)। असम के धुबडी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ८९वीं बटालियन ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मुक्तार हुसैन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के दिनाजपुर गांव का निवासी बताया गया है। बीएसएफ के जवानों ने उसे गोलकगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीओपी बिस्खावा के समीप नियमित निगरानी अभियान के दौरान पकडा।गिरफ्तारी के बाद उसे आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की औपचारिक रिपोर्ट गोलकगंज पुलिस चौकी द्वारा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी जाएगी।

महंगाई से बडी राहत : पेट्रोल-डीजल और ATF पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटी, १ जून से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली.(एजें) ३१ मई : मिडिल ईस्ट में जारी जंग की वजह से तेल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है. इसी बीच केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों को बडी राहत देते हुए पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी में कटौती का ऐलान किया है. इसे लेकर सरकार ने ३० मई को अधिसूचना जारी कर दी है. जिसकी नई दरें १ जून से लागू हो जाएंगी.आदेश के अनुसार, पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में १.५० रुपए प्रति लीटर की कमी की गई है. वहीं डीजल पर यह कटौती १३.५० रुपए प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (ज्जस्न) पर ९.५० रुपए प्रति लीटर की गई है. सरकार का यह फैसला अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बाद लिया गया है. माना जा रहा है कि इससे देश में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी. इससे पहले १६ मई को भी एक्सपोर्ट ड्यूटी की दरों में संशोधन किया गया था.३१ मई को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है. राजधानी दिल्ली में पेट्रोल

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

एएफडीसी घोटाले में बड़ा खुलासा, ओएसडी पद्मकांत हजारिका पुरी से गिरफ्तार

गुवाहाटी, ३१ मई (हि.स.)। असम मत्स्य विकास निगम (एएफडीसी) से जुडे.कथित घोटाले की जांच में एक बडा घटनाक्रम सामने आया है। निगम के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) पद्मकांत हजारिका को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच को और तेज कर दिया गया है।जांच एजेंसियों को संदेह है कि विभाग में नियुक्तियों के दौरान गंभीर अनियमितताएं की गई और कथित रूप से पैसों के बदले नौकरी देने का खेल चलाया गया। आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों और पारदर्शिता की अनदेखी कर कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाया गया।इसके अलावा टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर के आरोप भी सामने आए हैं। जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि सार्वजनिक निविदा प्रक्रिया को दरकिनार कर लाभकारी 'बील' (आर्द्रभूमि) पट्टों का आवंटन कथित तौर पर रिश्तेदारों, करीबी सहयोगियों और राजनीतिक

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

गुवाहाटी में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान, २६ तस्कर और नशा सेवनकर्ता गिरफ्तार

गुवाहाटी, ३१ मई, (हि.स.)। गुवाहाटी महानगर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को बडी कार्रवाई करते हुए २६ लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में मादक पदार्थ तस्कर और नशा सेवन करने वाले शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, पलटन बाजार से लेकर कामाख्या रेलवे स्टेशन तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में गुवाहाटी पुलिस ने सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अभियान के दौरान आरोपितों के पास से बडी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ भी बरामद किए गए।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई

राज्य सरकार और असम पुलिस द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है। गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुडे.अपराधों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आम नागरिकों से भी इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई है।असम पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री या सेवन से संबंधित कोई जानकारी मिले तो वे निकटतम पुलिस थाने, पुलिस हेल्पलाइन या असम पुलिस के नागरिक पोर्टल के माध्यम से इसकी सूचना दें। पुलिस का कहना है कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता बेहद आवश्यक है।

विहिप त्रिपुरा प्रांत द्वारा पुरोहितों का एकदिवसीय सम्मेलन

अगरतला, ३१ मई: विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) त्रिपुरा प्रांत के मंदिर अर्चक-पुरोहित आयाम के तत्वावधान में रविवार को आनंदमयी आश्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग ६५ प्रमुख पुरोहितों का एकदिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य मंदिर व्यवस्था, धार्मिक परंपराओं के संरक्षण तथा समाज में पुरोहितों की भूमिका को और सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श करना था।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. दिनेश तिवारी ने उपस्थित पुरोहितों को संबोधित करते हुए सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं समाज जागरण में पुरोहित वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केंद्र हैं।सम्मेलन में विहिप त्रिपुरा प्रांत के सभापति सचिन कलई, प्रांत संपादक शंकर राय, प्रांत संगठन मंत्री शशिकांत पांडेय, मंदिर अर्चक-पुरोहित आयाम की प्रमुख शिवली चक्रवर्ती तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश गण चौधरी सहित प्रांत एवं जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान धार्मिक परंपराओं के संवर्धन, युवा पीढी को भारतीय संस्कृति से जोडने, मंदिरों की गतिविधियों को समाजोन्मुख बनाने तथा पुरोहितों के प्रशिक्षण एवं संगठनात्मक सुदृढीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में उपस्थित पुरोहितों ने समाज में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार के लिए संगठित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

शिलचर तेरापंथी सभा की वार्षिक आमसभा संपन्न, मूलचंद बैद निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

प्रे.सं. शिलचर, ३१ मई। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, शिलचर की वार्षिक आमसभा रविवार को सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ। इसके पश्चात सभा गीत एवं श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया।सभा की अध्यक्षता करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष श्री नवरत्न चोपडा ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा अपने कार्यकाल में संपादित प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने परम पूज्य गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपनी कार्यकारिणी टीम और सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।सभा के दौरान मंत्री ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय विवरण एवं वार्षिक बैलेंस शीट सदन के समक्ष रखी, जिसे सदस्यों ने अनुमोदित किया।निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

शिलचर की संजली सिंह बनीं इंडिया मॉडल आइकन २०२६ की प्रथम रनर-अप, बढाया पूर्वोत्तर का गौरव

प्रेसं. ३१ मई :शिलचर। असम और पूरे पूर्वोत्तर भारत के लिए गर्व का विषय है कि शिलचर की प्रतिभाशाली छात्रा संजली सिंह ने प्रतिष्ठित इंडिया मॉडल आइकन २०२६ प्रतियोगिता में प्रथम रनर-अप का खिताब हासिल कर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच संजली ने अपने आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व, प्रभावशाली मंच प्रस्तुति और सौंदर्य के बल पर निर्णायकों एवं दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन बीके

स्टूडियोज.द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व बासिर खान ने किया।रविवार को शिलचर के उकिलपट्टी स्थित एक संवाददाता सम्मेलन में संजली ने अपनी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए परिवार, मार्गदर्शकों और शुभचिंतकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ङ्गयह मेरे लिए बेहद खुशी का क्षण है। इस प्रतियोगिता ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। अपने सपनों का पीछा कभी नहीं छोडना चाहिए। मेरे परिवार और मेंटर्स ने हर कदम पर मेरा साथ दिया है।ङ्ख

संजली सिंह गुरुचरण विश्वविद्यालय की उच्च माध्यमिक द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। बचपन से ही उन्हें नृत्य एवं विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में विशेष रुचि रही है। उनका सपना भविष्य में मिस इंडिया का ताज हासिल करना है। उन्होंने कहा कि वह मॉडलिंग के क्षेत्र में निरंतर आगे बढते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कडी मेहनत करती रहेंगी। जानकारी के

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

हत्या और एनकाउंटर के बीच न्याय की कसौटी

हाल ही में चर्चित हत्या कांड और उसके बाद आरोपी असद के पुलिस एनकाउंटर ने देश में कानून, न्याय और पुलिस कार्रवाई को लेकर नई बहस छेड़ दी है। एक ओर एक जघन्य हत्या ने समाज को झकझोर दिया, वहीं दूसरी ओर मुख्य आरोपी के एनकाउंटर ने लोगों को दो खेमों में बांट दिया है। कुछ लोग इसे त्वरित न्याय मानते हैं, जबकि अन्य इसे न्यायिक प्रक्रिया से विचलन के रूप में देखते हैं।

किसी भी सभ्य लोकतंत्र में हत्या जैसे अपराध के प्रति कठोर कार्रवाई आवश्यक है। अपराधियों के मन में कानून का भय होना चाहिए और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। लेकिन न्याय और प्रतिशोध में अंतर होता है। कानून का शासन तभी मजबूत माना जाता है जब अपराधी कितना भी प्रभावशाली या खतरनाक क्यों न हो, उसे अदालत के सामने पेश कर उसके अपराध को विधिक प्रक्रिया के माध्यम से सिद्ध किया जाए।

एनकाउंटर की घटनाएं अक्सर जनभावनाओं को संतुष्ट करती हैं, विशेषकर तब जब अपराध अत्यंत क्रूर हो। किंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हर पुलिस कार्रवाई पारदर्शी और कानूनी जांच की कसौटी पर खरी उतरे। यदि किसी एनकाउंटर को बिना प्रश्न पूछे न्याय मान लिया जाए, तो भविष्य में इसका दुरुपयोग होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस पूरे प्रकरण से एक संदेश स्पष्ट है कि अपराध के विरुद्ध राज्य की शक्ति दृढ़ होनी चाहिए, लेकिन वह संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर ही संचालित हो। पीड़ित को न्याय मिले, अपराधी को दंड मिले और कानून पर जनता का विश्वास बना रहे यही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अंततः समाज को न केवल अपराधियों के दंड की चिंता करनी चाहिए, बल्कि ऐसी परिस्थितियों को समाप्त करने का भी प्रयास करना चाहिए जो अपराध को जन्म देती हैं। न्यायालय, पुलिस और प्रशासनतीनों की विश्वसनीयता तभी बनी रहेगी जब न्याय केवल होता हुआ ही नहीं, बल्कि होता हुआ दिखाई भी दे।

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

भारतवर्ष में एक ओर हिन्दी के विकास का दौर चल रहा था, तो दूसरी ओर अंग्रेजी दमन से मुक्ति हेतु स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ रहा था। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने आंदोलन में जनमानस को उद्वेलित एवं संगठित करने में मेरूदंड का कार्य किया। भारतेन्दु काल में स्वदेशी जागरण की जो मशाल जली थी, मुंशी प्रेमचंद के काल में वह दावानल का रूप ले चुका था।

- ई० प्रभात किशोर, अभियंता एवं शिक्षाविद

''उदन्त मार्तन्ड'' हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र था। ३० मई १८२६ को कोलकाता से प्रकाशित इस साप्ताहिक पत्र से हीं भारत में हिन्दी समाचार पत्रों के आदि युग की विकास यात्रा आरंभ होती है। सन् १७८८ में कानपुर में जन्में तथा कोलकाता के दिवानी कचहरी में प्रोसिडिंग रीडर के रूप में सेवारत श्री युगल किशोर शुक्ल के सम्पादकत्व में प्रकाशित ''उदन्त मार्तण्ड'' समाचार रूपी सूर्य था जिसने हिन्दी पत्रकारिता के पथ को आलोकित एवं दिग्दर्शित किया। मात्र एक साल सात माह के पश्चात वितीय संकट एवं हिन्दी भाषी कोलकातावासियों की उदासीनता के कारण ४ दिसम्बर १८२७ को इसकी जीवनयात्रा समाप्त हो गई। इस पत्र पर निम्नलिखित पद्य छपा करता था:-

दिनकर कर प्रगटत दिनहिं यह प्रकाश अठ याम
ऐसो रवि अब उगऊँ महि, जेहि सुख को धाम।
अंत कमलनि विगसित करत बढत चाव चितवाम
लेत नाम या पात्र को, होत हर्ष अरू काम।।

''बंगदूत'' साप्ताहिक कोलकाता से हीं १० मई १८२९ को निकाला गया। राजा राम मोहन राय के सहयोग और नीलरत्न हलधर के संपादकत्व में प्रकाशित यह पत्र मूलतः बंगला का था, जो आवश्यकतानुसार हिन्दी में भी छपा। ''बंगदूत'' के हिन्दी अंश के ऊपर निम्न पद्य उद्धृत रहते थे -

भूतल की यह रीत बहुत थोड़े में भाखे।
लोगनी के बहु लाग होए यही ते लाखे।।
बंगला की दूत-पूत यही वायु को जानो।
होए विदित सब देश क्लेश को लेश न मानो।।

''बनारस अखबार'' साप्ताहिक हिन्दी प्रदेश से निकलनेवाला पहला पत्र था। यह सन् १८४५ में काशी से श्री गोविन्द रघुनाथ तथते के संपादकत्व में निकला। सन् १८४६ में कोलकाता से '' इंडियन सन'' प्रकाशित हुआ, जो ''बंगाल हेराल्ड'' और '' बंगदूत'' की भांति पांच भाषाओं में छपता था। इसमें दस पृष्ठ होते थे और प्रत्येक पृष्ठ पर पांच कालम रहते थे। इसका हिन्दी नाम '' मार्तण्ड'' था। ''सुधावर्षण'' हिन्दी का प्रथम दैनिक पत्र था, जो कोलकाता स्थित बड़ा बाजार से सन् १८५४ में निकला। मूलतः यह द्विभाषी पत्र था, जिसके आरंभिक दो पृष्ठ हिन्दी तथा शेष दो पृष्ठ बंगला में रहते थे। इसके संपादक श्री श्याम सुंदर सेन थे।

''प्यामे आजादी'' सन् १८५७ में स्वतंत्रता आंदोलन के नेता श्री अजीमुल्ला खान द्वारा दिल्ली से निकाली गई। यह पहले उर्दू में निकलती थी, पर शीघ्र हीं हिन्दी में भी प्रकाशित की जाने लगी। इसी पत्र में १८५७ का प्रथम प्रसिद्ध भारतीय राष्ट्रगीत छपा था, जिसकी आरंभिक पंक्तियां थीं-

हम हैं इसके मालिक हिन्दुस्तान हमारा।
बात वतन है कौम का जन्नत से भी प्यारा।।

शासकों द्वारा ''प्यामे आजादी'' के संपादक मिर्जा बेदार बख्त को फांसी दे दी गई। साथ हीं श्री हेनरी काटन द्वारा आदेश जारी हुआ कि '' प्यामे आजादी'' की प्रतियां जिस किसी के पास पायी जाएगी, वह प्राणदंड का भागीदार होगा। समाचार पत्रों के इतिहास में संभवतः यह प्रथम घटना है जब किसी पत्र के पाठकों के सम्पूर्ण परिवार को फांसी दी गई हो।

सन १८५९ में अहमदाबाद से '' धर्मप्रकाश'' और सन १८६३ में मिशनरियों द्वारा आरा से '' मृत लोकहित'' निकाला गया। सन १८६६ में '' मारवाड़ गजट'' का प्रकाशन प्रारंभ हुआ। सन् १८६७ में जम्मू-कश्मीर से हीं एक और हिन्दी पत्र ''विद्या विलास'' उर्दू में निकला। सन् १८२६-६७ का काल भारत में हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का काल है। इस काल में निकली पत्र-पत्रिकाओं ने भारतीय पत्रकारिता हेतु लीक बनाने का कार्य किया। बाद में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के पत्रकारिता जगत में पदार्पण के साथ हीं हिन्दी पत्रकारिता को नया आयाम, नया स्वरूप एवं नयी दिशा मिली और सही मायने में एक नये युग की नींव पड़ी।

''उदन्त मार्तण्ड'' से हिन्दी समाचार-पत्रों के आदि युग की जो विकास यात्रा आरंभ होती है, वह हिन्दी पत्रकारिता भारतेन्दु युग तक दैनिक, साप्ताहिक तथा मासिक माध्यम से अग्रसर होती रही। भारतेन्दु युग (१८६७-१८८५) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास का दूसरा युग माना जाता है, जिन्होने साहित्य रचना को एक मिशन की तरह लिया और सन १८६७ में काशी से '' कवि वचन सुधा'' मासिक आरंभ की। भारतेन्दु जी मानते थे कि देश की उन्नति हेतु स्वदेशी वस्तु हीं नहीं, निज भाषा भी अत्यावश्यक है। वे गुलामी की शिक्षा से घृणा करते थे। उनका मूल-मंत्र था -निजभाषा उन्नति अहै, सब उन्नति की मूल।

बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटय नहीय को सूल।।

बाद के वर्षों में महावीर प्रसाद द्विवेदी के ''सरस्वती'' (१९००), गणेश शंकर विद्यार्थी के ''प्रताप'' (१९१०) आदि के कालखंडों से गुजरते हुए हिन्दी पत्रकारिता ने प्रेमचंद युग में प्रवेश किया। भारतवर्ष में एक ओर हिन्दी के विकास का दौर चल रहा था, तो दूसरी ओर अंग्रेजी दमन से मुक्ति हेतु स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ रहा था। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने आंदोलन में जनमानस को उद्वेलित एवं संगठित करने में मेरूदंड का कार्य किया। भारतेन्दु काल में स्वदेशी जागरण की जो मशाल जली थी, मुंशी प्रेमचंद के काल में वह दावानल का रूप ले चुका था। अपने पत्र ''हंस'' (१९३०) एवं ''जागरण'' में अपनी जादुई लेखनी से उन्होंने ब्रिटीश शासन की बखिया उधेड़कर रख दी तथा परिस्थितियां कठोर होने के बावजूद अपने को दृढ़वत सिद्ध किया।

(ई० प्रभात किशोर, अभियंता एवं शिक्षाविद, पटना)
चेल- ८५४४१२८४२८

दुमदुमा के लोटास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया

दुमदुमा प्रेरणा भारती ३१ मई : तिनसुकिया जिले के दुमदुमा स्थित लोटास उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों को जानलेवा तंबाकू उत्पादों के नुकसान से बचाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज सुबह विद्यालय की सामूहिक गुरु वंदना और प्रार्थना के बाद, प्रधानाचार्य मानस कुमार दे ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खैनी और गुटखा जैसे तंबाकू उत्पादों ने काले बादलों की तरह चारों तरफ से घेर लिया है। यह खतरनाक कैंसर जैसी बीमारियों को जन्म दे रहा है और कई लोगों को अपंग बना रहा है। इसलिए, इस यमदूत रूपी तंबाकू उत्पादों से खुद को पूरी तरह दूर रखकर अच्छे कार्यों में मन लगाना चाहिए।इसके बाद नौवीं कक्षा की छात्रा संघमित्रा गुप्ता और छात्र जोनाकज्योति श्याम ने अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में मानव शरीर पर तंबाकू उत्पादों के घातक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया और सभी को प्रभावित किया। फिर आम जनता और नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिनेश गोयल, सचिव अर्जुन बरुआ, प्रधानाचार्य मानस कुमार दे, शिक्षकों और छात्रों ने एक तंबाकू विरोधी रैली निकाली। इस रैली ने दुमदुमा शहर का भ्रमण किया और जनता से विशेष सराहना प्राप्त की।

इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के बीच दो श्रेणियों मे प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में गरिमा कुमार और हरीश गोगोई ने पहला, नेहा पंडित और प्रियाश्री सैकिया ने दूसरा तथा निवारण बर्मन ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में रिफा रजक, प्रीतम कलिता और अभय पंडित (तीनों) ने पहला, चाहत गुप्ता और रितिका देव ने दूसरा तथा मानन चौधरी और गीतांशु लहकर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस पूरे कार्यक्रम का संचालन वैष्णवी गुप्ता और निष्ठा शाह ने किया।

पेट्रोल संकट का दीर्घकालीन समाधान भारत के पास है

कुलभूषण उपमन्यु

ईरान, इजराइल-अमेरिका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है क्योंकि हमारी ८५ फीसद ऊर्जा जरूरतें आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक, और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं।

सरकार ने अभी तक तो घरेलू ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरूकिया है। एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है, लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम उर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी इस पर विचार करते हैं।

देश में २०२५ की पशु गणना के अनुसार १९३.५० करोड़ गोवंश और १०९.८५ करोड़ भैंस हैं। कुल ३०३.३५ करोड़ ऐसा पशु धन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग ३० किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह १५० करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमीबेशी को छोड़ दें तो ३०० दिन का गिनते हैं। इससे ४५००० करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है।

इसको टन में बदल लें तो ४५ करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में १५ किलो गैस के हिसाब से एक टन से ६६ सिलेंडर भरे जा सकते हैं। ४५ करोड़ टन से २९७० करोड़ सिलेंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को १४० करोड़ मानते हुए औसत पांच प्राणियों का परिवार मानते हुए २८ करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलेंडर की खपत मान कर चलें तो १२ महीने में ३३६ करोड़ सिलेंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन २९७० करोड़ सिलेंडर भरने की है। यानि इस क्षमता का १५-२० प्रतिशत दोहन भी कर लिया जाए तो घरेलू खपत को पूरा किया जा सकता है और इससे आगे व्यवसायिक खपत की भी गुंजाइश रह जाती है।

हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा की ओर आत्मनिर्भर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन दे कर आगे बढ़ाया जाए तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर, डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्ता पूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है।

फसल अपशिष्ट से सीएनजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरूभी हो चुके हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इसकार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

(लेखक, पर्यावरणविद और हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष हैं)

हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी:४५ डिग्री के पार तापमान, संकट में जनजीवन।

-सुनील कुमार महला

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है। कहना गलत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं। खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान ४५ डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग ४८ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान ४७ डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाडमेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सडक़ों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग ७६ प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में ६५ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में, गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव जल संकट, खेती और बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। नदियां, तालाब और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। किसानों के लिए भी यह समय बेहद कठिन बनता जा रहा है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी फसलों की उत्पादकता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या भी सामने आ रही है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि गर्मी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए, जितनी बाढ़, भूकंप या तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं को दी जाती है। हीटवेव को भी राष्ट्रीय आपदा की तरह समझने और उससे निपटने के लिए व्यापक तैयारी करने की जरूरत है। लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए, अधिक पानी पीना चाहिए और जरूरतमंद लोगों, पशु-पक्षियों तथा बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी लोगों से अपील की है कि वे गर्मी से होने वाली समस्याओं को नजरअंदाज न करें और दूसरों की मदद के लिए आगे आएं।

साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें। स्थानीय प्रशासन को भी गर्मियों के लिए उतनी ही गंभीर तैयारी करनी चाहिए, जितनी बारिश या सर्दियों के दौरान की जाती है।अंत में, यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसमी परेशानी नहीं रही, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। इसलिए सरकार, समाज और आम नागरिकों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में गंभीर और सतत प्रयास करने होंगे। तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकेगा।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।मोबाइल 9828108858

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

पीएम मोदी ने मन की बात में की अपील,.....

छाछ.गर्मियों के मौसम में आम की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में शायद ही कोई ऐसा घर होगा जहां इस मौसम में आम की बात न होती हो. हर क्षेत्र का अपना एक खास आम, उसका स्वाद और महक है. उन्होंने महाराष्ट्र के हापुस (अल्फांसो), गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगडा आम की विशेषताओं का जिक्र किया. साथ ही बिहार के जर्दालू, चौसा, मालदा और दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापरी, नीलम व बंगाली हिमसागर जैसे नामों को साझा किया. प्रधानमंत्री ने आम की खेती से जुडे.किसानों की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत का आम गांवों से निकलकर वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहा है. उन्होंने आम उत्पादक किसान भाई-बहनों को देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बेहद विशेष बताते हुए उनके प्रयासों की सराहना की.

रंगिया के प्राथमिक विद्यालय परिसर में पाकिस्तानी....

बाद रंगिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने पाकिस्तानी झंडा को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।इस दौरान कुछ संगठनों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है ताकि आरोपितों की पहचान की जा सके।प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एएफडीसी घोटाले में बड़ा खुलासा, ...

रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों को किया गया।अधिकारियों के अनुसार, जांच का दायरा लगातार बढाया जा रहा है। वित्तीय लेन-देन, बैंक खातों और संपत्तियों की गहन जांच की जा रही है ताकि धन के प्रवाह का पता लगाया जा सके और घोटाले से जुडे.अन्य लाभार्थियों की पहचान हो सके। सूत्रों का कहना है कि जांच में जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आएंगे, आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा कानूनी कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।-

शिलचर की संजली सिंह बनीं इंडिया मॉडल आइकन ...

अनुसार, संजली आगामी मिस्टर एंड मिसेज असम प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व भी करेंगी।संजली शाइन एजेंसी की प्रशिक्षु हैं। एजेंसी के प्रमुख मेंटर अमरराज आचार्य ने बताया कि उनका संस्थान मॉडलिंग के प्रति जागरूकता बढाने के साथ-साथ प्रतिभागियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देता है। उन्होंने कहा, ङ्गमॉडलिंग केवल रैंप पर चलने तक सीमित नहीं है। हम प्रतिभागियों को संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास निर्माण का प्रशिक्षण भी देते हैं।संजली की इस उपलब्धि पर उनके पिता संजय कुमार सिंह ने भी गर्व व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभ में मॉडलिंग को लेकर उनके मन में कुछ संकोच था, लेकिन बेटी के व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में आए सकारात्मक बदलाव को देखकर उनकी सोच बदल गई। उन्होंने अन्य अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों के सपनों को पूरा करने में उनका सहयोग करें और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को समझने का प्रयास करें।संजली सिंह की यह सफलता न केवल राष्ट्रीय फैशन एवं मॉडलिंग जगत में असम की बढती उपस्थिति को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि पूर्वोत्तर भारत की प्रतिभाएं आज देश के बडे.मंचों पर अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं।

महंगाई से बडी राहत : पेट्रोल-डीजल और ATF ...

१०२.१२ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९५.२० रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है. हालांकि, मई महीने के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल मिलाकर करीब ७.५० रुपए प्रति लीटर तक की बढोतरी दर्ज की गई है, जिसका असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पडा है.देश के कई बडे.शहरों में पेट्रोल की कीमत ११० रुपए प्रति लीटर से ऊपर पहुंच चुकी है. हैदराबाद में पेट्रोल ११५ रुपए प्रति लीटर के आसपास बिक रहा है, जबकि कोलकाता में भी इसकी कीमत ११० रुपए प्रति लीटर से अधिक है.एक्सपोर्ट ड्यूटी यानी निर्यात शुल्क वह अप्रत्यक्ष कर है, जिसे सरकार किसी उत्पाद को विदेश भेजने पर लगाती है. जब कोई कंपनी देश में निर्मित सामान का निर्यात करती है, तो उस पर सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क देना होता है.

शिलचर तेरापंथी सभा की वार्षिक आमसभा संपन्न,...

चुनाव अधिकारी श्री जेठमल मरोटी ने किया। अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण उन्होंने आगामी सत्र २०२६-२८ के लिए श्री मूलचंद बैद को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मूलचंद बैद ने अपने मंत्री के रूप में श्री प्रेमचंद छाजेड.की नियुक्ति की। अपने संबोधन में उन्होंने संगठन की सेवा पूर्ण निष्ठा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ करने का संकल्प व्यक्त किया तथा सभी सदस्यों से सहयोग एवं मार्गदर्शन का आह्वान किया। इसके पश्चात नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।अंत में श्री शांतिलाल डागा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा की कार्यवाही सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

असम भाषिक अल्पसंख्यक विकास परिषद की पहल पर शिलचर में जिला स्तरीय रवीन्द्र संगीत एवं रवीन्द्र नृत्य प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न

प्रे.सं. शिलचर, ३१ मई। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर की १६५वीं जयंती के उपलक्ष्य में असम भाषिक अल्पसंख्यक विकास परिषद के तत्वावधान में रविवार को सरकारी उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय, शिलचर में जिला स्तरीय रवीन्द्र संगीत एवं रवीन्द्र नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। सांस्कृतिक वातावरण से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग ४०० प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर रवीन्द्र साहित्य और संगीत की समृद्ध परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक किशोर नाथ, विधायक राजदीप ग्वाला, डॉ. विभास देव, अभ्रजीत चक्रवर्ती (झलक), सांस्कृतिक अधिकारी स्नेयांशु शेखर राय, पुलक दास, अरिंदम भट्टाचार्य, समाजसेवी स्वर्णाली चौधरी तथा विद्यालय की अध्यक्षा बनिया दास द्वारा मंगल दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।जिला संयोजक भास्कर दास ने बताया कि परिषद के अध्यक्ष शिलादित्य देव के प्रयासों से पिछले चार वर्षों से बराक घाटी के तीनों जिलों में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता से चयनित १८ प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।अपने संबोधन में विधायक किशोर नाथ ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के जीवन, साहित्य और भारतीय संस्कृति में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं विधायक राजदीप ग्वाला ने कहा कि इस प्रकार की सांस्कृतिक पहल भविष्य में भी जारी रहेगी और इससे नई पीढ़ी में साहित्य, संगीत एवं संस्कृति के प्रति रुचि और अधिक विकसित होगी।कार्यक्रम में संदीपन दत्त पुरकायस्थ, मिताली दास, झिमली नाथ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं सांस्कृतिक प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने रवीन्द्र संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया तथा गुरुदेव की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

बडखला विधायक ने क्षेत्र के विकाश हेतु मंदिर में छोडा कछुआ

यशवंत पांडेय, शिलकुडी, ३१ मई : ऐतिहासिक स्थल बरम बाबा मंदिर पर आज धार्मिक माहौल रहा। गुवाहाटी से शपथ लेकर लौटने के बाद आज बडखला के विधायक किशोर नाथ सीधे शिलकुडी स्थित ऐतिहासिक स्थल बरमबाबा मंदिर पहुंचे। मंदिर के वरिष्ठ आचार्य पंडित आत्मदेव शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधायक किशोर नाथ को पूजन-अर्चन करवाया। पूजन के पश्चात विधायक ने मंदिर परिसर में स्थित पुण्य सरोवर में कछुआ छोडा। विश्वास है कि कछुआ छोडने से क्षेत्र में सुख, समृद्धि के शांति बनी रहती है , विधायक किशोर नाथ ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकाश का संकल्प किया । इस पूरे कार्यक्रम में मंदिर परिसर धार्मिक उत्सव के माहौल से गूंज उठा, श्रद्धालुओं ने बढचढ.कर हिस्सा लिया ।

कोलकाता में बराक भाषा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

कोलकाता (प्रे.सं., ३० मई। बराक घाटी के भाषा शहीदों की स्मृति को नमन करते हुए श्रीहट्ट भवन, कालिंदी (कोलकाता) में श्रीहट्ट सम्मिलनी द्वारा एक भावपूर्ण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाषा शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुआ।इसके पश्चात सम्मिलनी के पदाधिकारियों, सह-सभापति तथा अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बराक भाषा आंदोलन के विभिन्न ऐतिहासिक एवं सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने भाषा शहीद स्टेशन के नामकरण तथा इससे संबंधित गजट अधिसूचना के विषय को भी प्रमुखता से उठाया और भाषा आंदोलन की विरासत को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र ने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। इसमें अतुलप्रसाद के गीत, नजरुल गीति, रवीन्द्र संगीत, सिलहट की पारंपरिक लोकधुनें तथा धामाइल नृत्य प्रस्तुत किए गए। दक्षिण कोलकाता सिलेटी संस्था के प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया।संगीत, संस्कृति और स्मृतियों से सजे इस आयोजन में एक भावनात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण का सृजन हुआ। कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी श्रीहट्ट सम्मिलनी की कार्यकारिणी समिति के सदस्य शीबक दास चौधुरी, पार्थ चक्रवर्ती तथा अन्य सहयोगियों ने निभाई।अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

शिवसेना में संजीत देवनाथ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां, बराक घाटी प्रमुख व राष्ट्रीय सचिव पद पर पुनर्नियुक्ति

प्रे.सं. हाइलाकांडी, ३१ मई: शिवसेना के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी संजीत देवनाथ को पार्टी नेतृत्व ने पुनः महत्वपूर्ण दायित्व सौंपते हुए बराक घाटी प्रमुख तथा शिवसेना प्रभावक संघ के राष्ट्रीय सचिव पद पर नियुक्त किया है। यह पुनर्नियुक्ति महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में की गई है।शिवसेना की राष्ट्रीय समिति के उपनेता एवं शिवसेना प्रभावक संघ के संस्थापक अध्यक्ष अनिल पौडवाल ने संजीत देवनाथ को आधिकारिक नियुक्ति पत्र प्रदान किया। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक कौशल, समर्पण और लंबे समय से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन पर पुनः विश्वास जताया है।इस अवसर पर शिवसेना के राष्ट्रीय नेतृत्व ने संजीत देवनाथ द्वारा संचालित 'छत्रपति शिवाजी सांस्कृतिक मंच' के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों की भी प्रशंसा की। संगठन के माध्यम से क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विचारधारा से प्रेरित होकर संजीत देवनाथ १ अक्टूबर २०१० से एक समर्पित शिवसैनिक के रूप में संगठन की सेवा कर रहे हैं। उनकी पुनर्नियुक्ति को बराक घाटी में शिवसेना संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

AJP के पूर्व सेंट्रल वाइस-प्रेसिडेंट मैनाक पात्रा ने पार्टी से इस्तीफा दिया

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) ३१ मई : एक बडे. राजनीतिक घटनाक्रम में, डिब्रूगढ.विधानसभा सीट से असम जातीय परिषद (AJP) के पूर्व उम्मीदवार और पार्टी के सेंट्रल वाइस-प्रेसिडेंट मैनाक पात्रा ने पार्टी की प्राइमरी मेंबरशिप के साथ-साथ सभी ऑर्गेनाइजेशनल जम्मिेदारियों से भी इस्तीफा दे दिया है।पात्रा ने शुक्रवार को अगझ प्रेसिडेंट लुरिनज्योति गोगोई को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसमें उन्होंने क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी से हटने के लिए निजी कारणों का हवाला दिया। अपने इस्तीफे में, उन्होंने कहा कि यह फैसला बहुत सोच-समझकर लिया गया है और वह तुरंत पार्टी से जुडी सभी एक्टिविटीज.से खुद को अलग कर लेंगे। पार्टी लीडरशिप, वर्कर्स और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा करते हुए, पात्रा ने अगझ के साथ अपने जुडाव को एक कीमती और सीखने वाला अनुभव बताया। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में अपने साथियों के सहयोग और सपोर्ट के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और पार्टी की आगे की ग्रोथ और सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। यह इस्तीफा २०२६ के असम असेंबली चुनाव खत्म होने के कुछ समय बाद आया है, जिसमें पात्रा ने अगझ के टिकट पर डिब्रूगढ.असेंबली सीट से चुनाव लडा था। ऊपरी असम में इगझ की सबसे मजबूत सीटों में से एक पर उनका मुकाबला इगझ के मजबूत नेता और मौजूदा चडअ प्रशांत फुकन से था। ऑफिशियल चुनाव नतीजों के मुताबिक, फुकन को १,०६,८०३ वोट मिले, जबकि पात्रा को ३४,७६० वोट मिले, और वह ७२,०४३ वोटों के अंतर से मुकाबला हार गए। पात्रा २०२६ के असेंबली चुनाव के लिए अगझ की पहली लिस्ट में घोषित उम्मीदवारों में से थे और उन्हें ऊपरी असम में अपनी ऑर्गेनाइजेशनल मौजूदगी को मजबूत करने की पार्टी की स्ट्रैटेजी के तहत मैदान में उतारा गया था। खास बात यह है कि पात्रा के इस्तीफे.में पार्टी के अंदर किसी भी राजनीतिक असहमति, नाखुशी या ऑर्गेनाइजेशनल झगडे.का कोई जक्रि नहीं है। इसके बजाय, उन्होंने अपने फैसले को पूरी तरह से निजी वजहों से लिया। पॉलिटिकल जानकारों का मानना ??है कि इस घटनाक्रम से अगझ के अंदर चर्चा शुरू हो सकती है क्योंकि पार्टी चुनाव के बाद अपनी स्ट्रैटेजी और ऑर्गेनाइजेशनल स्ट्रक्चर का रिव्यू कर रही है। अब ध्यान इस बात पर रहेगा कि पार्टी डिब्रूगढ.और दूसरी सीटों पर लीडरशिप या स्ट्रक्चरल बदलाव करती है या नहीं, जहाँ हाल ही में हुए चुनावों में उसे बडा चुनावी फायदा उठाने में मुश्किल हुई थी। हालांकि अभी इसके तुरंत के राजनीतिक नतीजे पक्के नहीं हैं, लेकिन पात्रा के जाने को असम जातीय परिषद के लिए एक झटके के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि वह अपना ऑर्गेनाइजेशनल बेस मजबूत करना चाहती है और असम के बदलते राजनीतिक माहौल में अपनी जगह मजबूत करना चाहती है।

AMCH पर बुलडोजर एक्शन: डिब्रूगढ. म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने गैर-कानूनी कब्जों पर कार्रवाई की

डिब्रूगढ: (अर्णव शर्मा) ३१ मई : असम के सबसे बिजी हेल्थकेयर हब में से एक में गैर-कानूनी कब्जों के खिलाफ.एक बडी कार्रवाई करते हुए, डिब्रूगढ.म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ऊचउ) ने असम मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल (AMCH) के कैंपस और उसके आस-पास बडे.पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया।इस ऑपरेशन में म्युनिसिपल अधिकारियों ने सडक किनारे लगे कई बिना इजाजत के स्टॉल, कामचलाऊ दुकानें और गैर-कानूनी ढांचों को हटाया, जिन्होंने धीरे-धीरे इस बडे.मेडिकल इंस्टीट्यूशन के आस-पास के फुटपाथ और पब्लिक जगहों पर कब्जा कर लिया था। इन कब्जों को लंबे समय से गंभीर ट्रैफिक जाम, पैदल चलने वालों के आने-जाने में रुकावट और हॉस्पिटल तक पहुँचने में रुकावट के लिए जम्मिेदार ठहराया जा रहा था।पुलिस वालों की मदद से, बेदखली टीम ने कब्जे.वाली जगहों को तेजी से खाली कराया, जरूरी रास्ते ठीक किए और गाडियों और पैदल चलने वालों का आना-जाना आसान बनाया। इस ड्राइव ने लोकल लोगों, मरीजों और विजटिर्स का ध्यान खींचा, क्योंकि अधिकारियों ने उन स्ट्रक्चर को गिरा दिया था जिन पर कथित तौर पर पब्लिक जमीन पर कब्जा किया गया था।म्युनिसिपल अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई हॉस्पिटल के पास भीडभाड.को लेकर बढती चिंताओं को दूर करने के लिए की गई थी, जहाँ मरीजों, अटेंडेंट, एम्बुलेंस और इमरजेंसी गाडियों को अक्सर भीडभाड.वाली और रुकावट वाली सडकों से गुजरने में मुश्किल होती थी।अधिकारियों ने जोर दिया कि हेल्थकेयर इंस्टीट्यूशन को इमरजेंसी सर्विस को आसान बनाने और लोगों की सुविधा को सुरक्षित रखने के लिए बिना रुकावट वाले आने-जाने के रास्ते चाहिए। अधिकारियों ने आगे चेतावनी दी कि साफ.की गई जगहों पर फिर से कब्जा करने की किसी भी कोशिश के खिलाफ.सख्त कार्रवाई की जाएगी।एक म्युनिसिपल अधिकारी ने कहा, 'मकसद पब्लिक जमीन पर फिर से कब्जा करना, पैदल चलने वालों की सुरक्षा पक्का करना और हॉस्पिटल के आसपास ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाना है। नए कब्जों को रोकने के लिए रेगुलर मॉनिटरिंग जारी रहेगी।'यह बेदखली ड्राइव कडी निगरानी में शांति से की गई, जिसमें अधिकारियों ने डिब्रूगढ.म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पब्लिक जगहों को गैर-कानूनी कब्जों से मुक्त रखने और पूरे शहर में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।इस बडे.कदम का कई लोगों ने स्वागत किया है, जिन्हें उम्मीद है कि इस सफाई अभियान से असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आसपास जाम से हमेशा के लिए राहत मिलेगी और आने-जाने में आसानी होगी।

वैंकूवर में नॉर्थईस्ट कल्चरल फेस्टिवल में भारत के नॉर्थईस्ट की समृद्ध विरासत दिखाई गई

वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया (अर्णव शर्मा) ३१ मई :: नॉर्थईस्ट भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाला पहला नॉर्थईस्ट कल्चरल फेस्टिवल शनिवार को वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें अलग-अलग समुदायों के ५०० से ज़्यादा उत्साही दर्शक आए।एक दिन का यह फेस्टिवल सप्तरंगा कल्चरल सोसाइटी ने आयोजित किया था, जो कनाडा में स्थित एक नॉन-प्रॉफिट संगठन है जिसे नॉर्थईस्टर्न इंडियन डायस्पोरा के सदस्यों ने स्थापित किया है। इस इवेंट में भारत के आठ नॉर्थईस्ट राज्यों की समृद्ध और विविध परंपराओं को दिखाने वाले कई पारंपरिक गीत, संगीत और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। इस मौके पर बोलते हुए, सप्तरंगा कल्चरल सोसाइटी के प्रेसिडेंट इंद्रजीत गुहा ने मौजूद लोगों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स पर खुशी जताई। गुहा ने कहा, 'फेस्टिवल ने नॉर्थईस्ट भारत के संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को दिखाने के लिए एक मंच दिया। कलाकारों ने कई तरह के प्रदर्शन पेश किए जिन्हें दर्शकों ने बहुत पसंद किया। हालांकि यह इस तरह का इवेंट आयोजित करने की हमारी पहली कोशिश थी, लेकिन लोगों के जबरदस्त रिस्पॉन्स ने इसे एक बडी सफलता बना दिया।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऑर्गनाइजेशन का मुख्य मकसद नॉर्थईस्ट के कलाकारों को ग्लोबल स्टेज पर प्रमोट करना और उन्हें अपनी रिच कल्चरल विरासत को इंटरनेशनल ऑडियंस के साथ शेयर करने के मौके देना है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा मकसद नॉर्थईस्ट इंडिया के कलाकारों को एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म देना और इस इलाके की खास कल्चरल पहचान को बनाए रखने और प्रमोट करने में मदद करना है। इस साल की सफलता से उत्साहित होकर, हम भविष्य में इस फेस्टिवल को और भी बडे.लेवल पर ऑर्गनाइज.करने का प्लान बना रहे हैं।'इस इवेंट में अलग-अलग इलाकों के डेलीगेट्स और कल्चरल शौकीनों ने हिस्सा लिया, जो नॉर्थईस्ट इंडिया की परंपराओं और आर्टिस्टिक एक्सप्रेशन में बढती दिलचस्पी को दिखाता है। मूल रूप से डिब्रूगढ, असम के रहने वाले इंद्रजीत गुहा अब कनाडा में रहते हैं और विदेशों में नॉर्थईस्ट कल्चर को प्रमोट करने में एक्टिव रूप से शामिल रहे हैं।वैंकूवर में शुरू हुई, सप्तरंगा कल्चरल सोसाइटी नॉर्थईस्ट इंडिया की परंपराओं को कनाडा के मल्टीकल्चरल माहौल से जोडने वाले एक कल्चरल ब्रिज का काम करती है। म्यूजकि, डांस और कम्युनिटी एंगेजमेंट के जरिए, ऑर्गनाइजेशन यह पक्का करना चाहता है कि 'सेवन सिस्टर्स एंड वन ब्रदर' की कल्चरल विरासत विदेशों में रहने वाली आने वाली पीढियों के बीच फलती-फूलती रहे।नॉर्थईस्ट कल्चरल फेस्टिवल की सफल शुरुआत, कल्चरल रिश्तों को मजबूत करने और नॉर्थईस्ट इंडिया की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत की ग्लोबल पहचान को बढाने में एक अहम मील का पत्थर है।

अमोलापट्टी M.V. स्कूल में जागरूकता बैठक आयोजित; हेडमास्टर ने कहा - प्राथमिक कक्षा ही देश की सबसे बडी संसद है

डिब्रूगढ:(अर्णव शर्मा) ३१ मई : अमोलापट्टी M.V. स्कूल में 'जागरण सभा' नाम से एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इसका उद्देश्य शिक्षकों और अभिभावकों के बीच तालमेल को मजबूत करना और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा को बढावा देना था।इस बैठक की अध्यक्षता स्कूल के हेडमास्टर चंदन फुकन ने की, जबकि पूर्व उठउ समन्वयक और शिक्षक बसंत कुमार गोगोई ने इस सभा के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित लोगों को जानकारी दी कि यह कार्यक्रम डिब्रूगढ.जलि‌ा स्कूल निरीक्षक कविता डेका द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया था, ताकि स्कूलों और अभिभावकों के बीच संवाद और समझ को बेहतर बनाया जा सके। सभा को संबोधित करते हुए, हेडमास्टर चंदन फुकन ने किसी बच्चे के भविष्य को संवारने में प्राथमिक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राथमिक स्कूल को किसी विद्यार्थी के शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास की नींव बताया। उन्होंने कहा कि छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच बच्चे ऐसे मूल्य, अनुशासन और ज्ञान अर्जित करते हैं, जो उनके जीवन की दिशा तय करते हैं।फुकन ने कहा, 'जिस तरह बांस की कोंपल को उसके कोमल अवस्था में ही आकार दिया जा सकता है, उसी तरह एक बच्चे के मन को भी प्राथमिक शिक्षा के वर्षों के दौरान ही ढाला जा सकता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्राथमिक शिक्षा केवल पढने, लिखने और अंकगणित सिखाने तक ही सीमित नहीं है। यह बच्चों में ईमानदारी, बडों के प्रति आदर, छोटों की देखभाल, स्वच्छता, टीम वर्क, रचनात्मकता और सामाजिक जम्मिेदारी जैसे जीवन कौशल भी विकसित करती है।अभिभावकों की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल समाज और अभिभावकों के ही होते हैं, जबकि शिक्षक तो आते-जाते रहते हैं। उन्होंने टिप्पणी की, 'स्कूल समुदाय की एक स्थायी संस्था होती है। इसकी सफलता शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के एकजुट प्रयासों पर निर्भर करती है।'फुकन ने आगे कहा कि एक मजबूत प्राथमिक शिक्षा प्रणाली ही एक साक्षर और विकसित राष्ट्र की रीढ होती है। जापान और फिनलैंड जैसे देशों के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उन देशों की प्रगति की नींव उनकी सुदृढ.प्राथमिक शिक्षा प्रणाली पर ही रखी गई है। उन्होंने 'आनंदपूर्ण शिक्षण' (क्षेर्ष्रीश्र श्रशरीपळपस) विधियों के महत्व को भी रेखांकित किया और शिक्षकों को प्रोत्साहित किया कि वे कहानियों, गीतों, खेलों और दृश्य-श्रव्य सामग्री का उपयोग करके बच्चों के लिए पाठों को अधिक रोचक और आकर्षक बनाएँ। शिक्षकों को समाज का 'रोल मॉडल' बताते हुए उन्होंने उनसे समय की पाबंदी बनाए रखने और विद्यार्थियों के बीच नियमित रूप से पढने-लिखने के अभ्यास को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार की पहल जैसे मुफ्त किताबें, यूनिफॉर्म, मिड-डे मील, स्कूल का बुनियादी ढाँचा और बिजली ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है, लेकिन बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजना माता-पिता की ही जम्मिेदारी है।एक जोरदार संदेश में, फुकन ने प्राइमरी स्कूल की क्लासरूम को 'देश की सबसे बडी संसद' बताया, जहाँ भारत के भविष्य के नेता, प्रशासक, डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता तैयार होते हैं।उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के उदाहरण दिए, जिन्होंने देश के सर्वोच्च पदों तक पहुँचने से पहले अपनी पढाई की शुरुआत साधारण प्राइमरी स्कूलों से ही की थी।इस बैठक में सहायक शिक्षकों निपुज्योति गोगोई और जेनिफा शर्मा ने भी भाषण दिए, जिन्होंने स्कूल द्वारा चलाई जा रही अलग-अलग शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में बताया। बैठक में मौजूद माता-पिता ने अपने बच्चों की नियमित हाजरी सुनिश्चित करने का वादा किया और शिक्षण स्टाफ.के समर्पण पर संतोष जताया। उन्होंने स्कूल की इमारत में दो नए क्लासरूम बनने की भी तारीफ.की। मौजूद लोगों में शिक्षक रूपाली दास, मामोनी बोरा, निपुज्योति गोगोई, अल्पना चेतिया, जेनिफा शर्मा, कल्याणी दास, नीलिमा चांगकाकोटी, आरिफा बेगम, ज्योतिका शर्मा, सेवाली दत्ता, बनश्री फुकन और नजराना हजारिका, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य और सौ से ज़्यादा माता-पिता शामिल थे।कार्यक्रम का समापन बच्चों की अच्छी शिक्षा और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

चराईदेउ ने पूरे जिले में जागरूकता प्रोग्राम के साथ मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे २०२६ मनाया

चराईदेउ: (अर्णव शर्मा) ३१ मई : मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे २०२६ के मौके पर, जलि‌ा महिला और बाल विकास विभाग, चराईदेउ ने जिले के अलग-अलग हिस्सों में महिलाओं और किशोरियों में मेंस्ट्रुअल हाइजीन, हेल्थ जागरूकता और सोशल एम्पावरमेंट को बढावा देने के लिए पाँच जागरूकता मीटिंग और खास महिला-केंद्रित प्रोग्राम आयोजित किए।जलि‌ा-लेवल की पहल हिंग्रिजन टी गार्डन आदर्श विद्यालय में शुरू हुई। बाकी चार प्रोग्राम अभयपुर, सोनारी, लकवा और सपेखाती इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज.(ICDS) प्रोजेक्ट के तहत किए गए।सोनारी ICDS प्रोजेक्ट के तहत डोमोर डालोंग टी गार्डन में एक बडी जागरूकता मीटिंग हुई। प्रोग्राम में चीफ.सुपरवाइजर गीतांजलि गोगोई, सुनीता तासा, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर नवज्योति गोगोई और पोषण अभियान ब्लॉक कोऑर्डिनेटर गुरु प्रसन्ना बोरगोहेन शामिल हुए। चर्चा में पीरियड्स हाइजीन मैनेजमेंट, सैनिटरी पैड का सही इस्तेमाल, पीरियड्स के दौरान हेल्दी आदतें, बाल विवाह की रोकथाम, बाल विवाह से जुडे.कानूनी नियम, और ICDS, पोषण अभियान, मैटरनल और चाइल्ड हेल्थ सर्विस, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (झचचतध), सखी वन स्टॉप सेंटर और मिशन सजीना जैसी कई वेलफेयर स्कीम पर फोकस किया गया। पीरियड्स से जुडी गलतफहमियों को दूर करने और चाय बागानों में रहने वाली महिलाओं में साइंटिफिक सोच को बढावा देने पर खास जोर दिया गया।अभयापुर ICDS प्रोजेक्ट के तहत हाजी सिद्दीक अली गर्ल्स मिडिल इंग्लिश स्कूल में एक और अवेयरनेस प्रोग्राम ऑर्गनाइज.किया गया। इवेंट को चीफ सुपरवाइजर बेबी बसुमतारी ने एंकर किया। डिस्ट्रिक्ट सोशल वेलफेयर ऑफिसर उत्तम अधिकारी ने टीनएज लडकियों को पीरियड्स हाइजीन और उससे जुडी हेल्थ प्रॉब्लम पर बात की। दूसरे स्पीकर्स में चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर निहारिका चुटिया, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हिरुशिखा हतीमुरिया, स्कूल हेडमास्टर संजीव सिंह, असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन की रिप्रेजेंटेटिव मंजुला काकी और अडक्अ सुपरवाइजर निहारिका राज खनिकर शामिल थे। डिस्ट्रिक्ट विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट ऑफिस के अधिकारी, खउउद्ध स्टाफ, पोषण अभियान के कर्मचारी, आंगनवाडी वर्कर, अडक्अ वर्कर और माता-पिता भी प्रोग्राम में शामिल हुए।लकवा ICDS प्रोजेक्ट के तहत, मथुरापुर हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बडा अवेयरनेस प्रोग्राम किया गया। मुख्य विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें पीरियड्स की देखभाल और साफ-सफाई, क्झत वैक्सीनेशन, बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा (झजउडज) एक्ट, बाल विवाह और इसके बुरे असर शामिल थे। इस इवेंट में स्टूडेंट्स में अवेयरनेस और भागीदारी को बढावा देने के लिए एक ओपन क्विज.कॉम्पिटिशन और ङ्गरेड डॉट चैलेंजङ्घ भी था। प्रोग्राम में स्कूल अथॉरिटी, टीचर, हेल्थ वर्कर, खउउद्ध अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, सेल्फ-हेल्प ग्रुप के सदस्य, आंगनवाडी वर्कर और कम्युनिटी के लोग शामिल हुए।इसी तरह, सपेखाती खउउद्ध प्रोजेक्ट के तहत पूर्वांचल हायर सेकेंडरी स्कूल में एक अवेयरनेस मीटिंग हुई। प्रोग्राम को डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम असिस्टेंट जयंत कुमार गोगोई ने मॉडरेट किया। हेल्थ डिपार्टमेंट की एक ANM ने पीरियड्स की साफ-सफाई के तरीकों पर बात की, जबकि चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. परिस्मृता सैकिया ने पीरियड्स की सेहत, जेंडर इक्वालिटी और बाल विवाह की रोकथाम से जुडे.मुद्दों पर रोशनी डाली। स्कूल प्रिंसिपल और लोकल पंचायत प्रेसिडेंट ने भी लोगों को संबोधित किया और जेंडर डिस्क्रिमिनेशन खत्म करने और बाल विवाह रोकने की अहमियत पर जोर दिया। इस इवेंट में खउउद्ध के अधिकारी, आंगनवाडी वर्कर, आशा वर्कर और कम्युनिटी के लोग मौजूद थे।इन प्रोग्राम का मकसद टीनएज लडकियों, स्टूडेंट्स और कम्युनिटी के लोगों में पीरियड्स हेल्थ, पर्सनल हाइजीन, बच्चों की सुरक्षा और बाल विवाह रोकने के बारे में जागरूकता बढाना था, साथ ही पूरे जिले में जानकारी और हेल्दी तरीकों को बढावा देना था।

एक घर में अब केवल एक ही रसोई गैस का कनेक्शन होगा वैध, १ जून से होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजें) ३१ मई : घरेलू रसोई गैस (LPG) के इस्तेमाल और सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक बेहद बडा और कडा विधिक फैसला लिया है। सरकार ने गैस कंट्रोल ऑर्डर (Gas Control Order) में बडा संशोधन करते हुए साफ कर दिया है कि अब देश के किसी भी एक घर (हाउसहोल्ड) में केवल एक ही एलपीजी कनेक्शन वैध माना जाएगा। एक से अधिक गैस कनेक्शन रखना अब पूरी तरह गैर-कानूनी और प्रतिबंधित होगा।देश की तीनों प्रमुख सार्वजनिक तेल कंपनियों इंडियन ऑयल (खजउ), भारत पेट्रोलियम (इझउङ) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (क्झउङ) ने एक संयुक्त सार्वजनिक नोटिस जारी कर

उपभोक्ताओं को चेताया है। सरकार १ जून २०२६ से इस नए विधिक नियम को पूरे देश में सख्ती से लागू करने जा रही है, जिससे पहले अतिरिक्त कनेक्शनों को सरेंडर करना अनिवार्य होगा।नए गैस कंट्रोल ऑर्डर के तहत 'परिवार' और 'रसोई' की विधिक परिभाषा को स्पष्ट करते हुए निम्नलिखित कडे.नियम तय किए गए हैं:सख्त परिभाषा: एक परिवार (जिसमें पति, पत्नी, अविवाहित/विवाहित बच्चे और आश्रित माता-पिता शामिल हैं) यदि एक ही रसोई का साझा इस्तेमाल करते हैं, तो उनके नाम पर केवल एक ही एलपीजी सिलेंडर कनेक्शन अलॉट रहेगा।सप्लाई होगी ब्लॉक: जिन उपभोक्ताओं के पास एक से अधिक कनेक्शन पाए जाएंगे, उनकी गैस सप्लाई तुरंत प्रभाव से ब्लॉक (बंद) कर दी जाएगी। यह सप्लाई कूट रूप से तभी बहाल होगी, जब उपभोक्ता अपने सभी अतिरिक्त कनेक्शनों को विधिक रूप से सरेंडर कर देगा।मिलेगी डीबीसी (DBC) की सुविधा: यदि कोई उपभोक्ता स्वेच्छा से अपना अतिरिक्त कनेक्शन सरेंडर करता है, तो वह अपने बचे हुए इकलौते कनेक्शन को डबल बॉटल कनेक्शन (ऊइउ) यानी दो सिलेंडरों वाले कनेक्शन में अपग्रेड करवा सकता है।शहरी इलाकों में जहां पाइपलाइन के जरिए रसोई गैस (झछ्रत्र) पहुंच चुकी है, वहां के उपभोक्ताओं के लिए सरकार ने नियमों को और कडा किया है, हालांकि इसमें एक व्यावहारिक विधिक छूट भी जोडी गई है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला : आपातकालीन इलाज हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली. (एजें) ३१ मई : देश में हर साल लाखों लोग सडक़ हादसों, आग, फैक्ट्री दुर्घटनाओं और दूसरी आपात स्थितियों में जान गंवा देते हैं. इनमें कई मौतें सिर्फ इसलिए हो जाती हैं क्योंकि घायल व्यक्ति को समय पर इलाज नहीं मिल पाता. इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बडा फैसला सुनाया है. अदालत ने साफ कहा है कि ट्रॉमा केयर केवल स्वास्थ्य सुविधा नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद २१ के तहत मिलने वाले जीवन के अधिकार का जरूरी हिस्सा है. इस फैसले को आम लोगों की सुरक्षा से जुडा ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है.घायल को समय पर इलाज मिलना सरकार की जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि किसी भी घायल व्यक्ति को समय पर इलाज मिलना सरकार की जिम्मेदारी है. अदालत ने साफ किया कि इमरजेंसी मेडिकल सुविधा सिर्फ सडक़ हादसों तक सीमित नहीं रहेगी. अब गिरने, जलने, डूबने, आग लगने, फैक्ट्री दुर्घटनाओं, विस्फोट और प्राकृतिक आपदाओं में घायल लोगों को भी तुरंत इलाज उपलब्ध कराना होगा. कोर्ट ने माना कि देश में अभी भी इमरजेंसी हेल्थ सिस्टम कई जगह कमजोर है और इसी वजह से कई लोग इलाज के इंतजार में दम तोड.देते

हैं. अदालत ने कहा कि जीवन बचाने के लिए तेज और मजबूत मेडिकल व्यवस्था जरूरी है. यह फैसला सीधे तौर पर उन लाखों परिवारों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आया है जो समय पर इलाज न मिलने की समस्या से जूझते रहे हैं.

राज्यों को दिए गए सख्त निर्देश - अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कई बडे.निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने कहा कि अगले तीन महीने के भीतर १००, १०१, १०२, १०८ और १०३३ जैसे सभी इमरजेंसी नंबरों को ११२ हेल्पलाइन से जोडा जाए. इसके अलावा सरकारी और निजी एम्बुलेंस में एआईएस-१२५ मानक, जीपीएस और ट्रैकिंग सिस्टम अनिवार्य किए जाएंगे. अदालत ने यह भी कहा कि हादसों में घायलों की मदद करने वाले लोगों को पुलिस या कानूनी परेशानियों से बचाने के लिए शिकायत निवारण प्रणाली बनाई जाए. राज्यों को अपनी ट्रॉमा रजिस्ट्री तैयार करने और अस्पतालों की ट्रॉमा सुविधाओं के आधार पर ग्रेडिंग करने का भी आदेश दिया गया है. इससे मरीजों को सही अस्पताल तक जल्दी पहुंचाने में मदद मिलेगी.

बढते हादसों ने बढाई चिंता देश में लगातार बढ.रहे हादसों के आंकडे.सरकार और अदालत दोनों के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं. ह्ष्ठक्रक्च के अनुसार, साल २०२३ में करीब ४.४ लाख लोगों की अलग-अलग हादसों में मौत हुई थी. इनमें लगभग १.७ लाख मौतें सडक़ दुर्घटनाओं में दर्ज की गई. इसका मतलब है कि हर दिन औसतन १,२१७ लोगों ने हादसों में अपनी जान गंवाई. लॉ कमीशन का मानना है कि अगर घायलों को समय पर इलाज मिल जाए तो इनमें से लगभग आधे लोगों की जान बचाई जा सकती है. यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इमरजेंसी मेडिकल सिस्टम को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया है. अदालत का कहना है कि इलाज में देरी किसी भी नागरिक के जीवन के अधिकार का उल्लंघन माना जाएगा.

आम लोगों को मिलेगा बडा लाभ

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का सबसे बडा फायदा आम लोगों को मिलने वाला है. अब हादसे के बाद अस्पतालों और एम्बुलेंस सेवाओं की जवाबदेही पहले से ज्यादा बढ.जाएगी. केंद्र सरकार की पीएम-राहत कैशलेस इलाज योजना को भी राज्यों के अस्पतालों में लागू करने के निर्देश दिए गए हैं. इससे सडक़ हादसों के पीडितों को शुरुआती इलाज के लिए पैसे की चिंता कम होगी. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इन निर्देशों को सही तरीके से लागू किया गया तो हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है. यह फैसला सिर्फ कानूनी आदेश नहीं, बल्कि देश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हाइलाकांदी महिला कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित, तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रीतम दास हाइलाकांदी, ३१ मई : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्यरत स्वैच्छिक संस्था 'द ग्रीन्स हाइलाकांदी' तथा असम सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन रविवार को हाइलाकांदी महिला कॉलेज परिसर में पर्यावरण विषयक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिले के विभिन्न विद्यालयों के सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, प्रदूषण नियंत्रण तथा प्राकृतिक सौंदर्य जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मकता एवं जागरूकता का परिचय दिया।प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों में किया गया। पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विषय ङ्गप्राकृतिक दृश्यङ्ग, छठी से नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए ङ्गवृक्षारोपण एवं संरक्षणङ्ग तथा दसवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए ङ्गपर्यावरण प्रदूषण एवं उसके समाधानङ्ग निर्धारित किया गया था।कार्यक्रम में जिला वन अधिकारी अखिल दत्त द ग्रीन्स के अध्यक्ष शदानंद भट्टाचार्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण में नई पीढी की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया।शदानंद भट्टाचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढाने और उन्हें इस दिशा में सक्रिय रूप से जोडने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं जिला वन अधिकारी अखिल दत्त ने पर्यावरण संरक्षण में बच्चों और किशोरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि बचपन से ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित की जाए तो भविष्य में एक हरित एवं सुंदर समाज का निर्माण संभव है।आयोजकों ने बताया कि आगामी ३ जून को हाइलाकांदी के श्री कृष्ण सरदा महाविद्यालय में उच्च माध्यमिक एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त ५ जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ङ्गएक पेड.माँ के नामङ्ग अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों तथा सांस्कृतिक आयोजनों का भी आयोजन किया जाएगा।आयोजकों के अनुसार पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करना तथा नई पीढी में पर्यावरण अनुकूल सोच विकसित करना इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

कोकराझार में मेधावी छात्रों का सम्मान: अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन का विशेष आयोजन

कोकराझार, ३१ मई: समाज में एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण बनाने के उद्देश्य से, अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन की सिथिला आंचलिक समिति के तत्वावधान में आज एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हाईस्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (क्द्धडउ) और उच्चतर माध्यमिक (क्द्ध) अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले क्षेत्र के मेधावी छात्रों को

सम्मानित किया गया।?समारोह के दौरान, मेधावी छात्रों को फुलाम गमोसा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने छात्रों को प्रेरित करते हुए समाज निर्माण में शिक्षा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।?इस कार्यक्रम में अखिल असम बंगाली युवा-छात्र फेडरेशन के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल घोष, महासचिव इंद्रजीत देबनाथ, सिथिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक बिष्णुपाद शील शर्मा, विशिष्ट व्यक्ति सुशांत सूत्रधर, मनीष देबनाथ और कोकराझार जिला समिति के अध्यक्ष नेपाल बर्मन विशेष रूप से उपस्थित थे।?इस गरिमापूर्ण आयोजन में मेधावी छात्रों के अलावा बडी संख्या में स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

तंबाकू हटाओ, परिवार बचाओ

तंबाकू के जानलेवा प्रभाव से लोगों को सतर्क और जागरूक करने के उद्देश्य से पूरे विश्व में प्रत्येक वर्ष ३१ मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की थी। नाना प्रकार के प्रचलित तंबाकू के सेवन से प्रत्येक वर्ष विश्व भर मे लाखों लोगों की जान जाती है फिर भी लोग इसके सेवन से बाज नही आ रहे है। तंबाकू सेवन से किसी एक व्यक्ति की मौत नही होती है बल्कि उसके कारण एक पूरा परिवार अनाथ हो जाता है। किसी के मांग के सिन्दूर उजड.जाता है तो किसी के बुढापे का सहारा छीन जाता है तो किसी बहन के लिए राखी का पर्व तो किसी सुहागिन के लिए तीज एवं करवा चौथ का त्यौहार हमेशा- हमेशा के लिए खत्म हो जाता है तो कहीं छोटे - छोटे बच्चे अनाथ हो जाते है। तंबाकू सेवन से सिर्फ परिवार ही नही बल्कि समाज एवं राष्ट्र अपंग हो जाता है। बडे.अफसोस की बात है कि आज के दौर मे भी न केवल युवक बल्कि युवतियों मे भी तंबाकू सेवन की लत दिन-प्रतिदिन बढती जा रही है। समय रहते यदि इस पर अंकुश तथा जागरुकता न लाया जाए तो हमारा परिवार, समाज, राष्ट्र अपंग व शक्तिहीन तथा युवा दिशाहीन हो जाएगा। तंबाकू सेवन को नेस्तनाबूद करने के लिए हमे न केवल ३१ मई बल्कि हर दिन हर पल अपने - अपने स्तर पर जागरुकता अभियान जारी रखना चाहिए वही तंबाकू सेवन कर्ता को अपने बच्चे तथा अपने माता- पिता का मुंह देखकर संकल्प लेना चाहिए कि आज से हम तंबाकू सेवन नही करेंगे।

पवन कुमार शर्मा (शिक्षक)
दुमदुमा (असम) मो.नं.९९५४३२७६७७

कोकराझार के नशामुक्ति केंद्र में 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोकराझार, ३१ मई:'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के अवसर पर आज कोकराझार स्थित साल्वेशन फाउंडेशन रिहैब सेंटर (नशामुक्ति केंद्र) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था।?यह आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति, कोकराझार द्वारा असम कैंसर केयर फाउंडेशन (कोकराझार), केयर इंडिया फाउंडेशन और टारगेट इंटरवेंशन एनजीओ के सहयोग से संपन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कौशिक दास ने की। इस अवसर पर डॉ. वसीम अख्तर बारी ने अपने संबोधन में तंबाकू के जानलेवा प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार तंबाकू का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर का कारण बनता है। डॉ. कौशिक दास ने युवा पीढी को विशेष रूप से आगाह किया और उन्हें तंबाकू और नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञापन सुभेंदु ब्रह्मा ने प्रस्तुत किया।जागरूकता सत्र के बाद वहां मौजूद कैदियों (इनमेट्स) के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तैयारी के साथ पहुंची थी: ?एक्स-रे सुविधा: एनटीईपी (NTEP) कोकराझार द्वारा उपलब्ध कराए गए पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से कैदियों के सीने की जांच की गई। ?लैब परीक्षण: शिविर में एचआईवी (HIV), हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी की जांच भी की गई। ?इस स्वास्थ्य शिविर में कुल ६१ लोगों की स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम में आरएनबी सिविल अस्पताल की आईसीटीसी (ICTC) टीम, एनटीईपी स्टाफ और रिहैब सेंटर के अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे।

तिनसुकिया जिले के हिलिका घाट में दर्दनाक हादसा, नदी में कूदे दंपति और उसकी बहन

दुमदुमा प्रे.सं. ३१ मई ०: तिनसुकिया जिले के दुमदुमा थाना क्षेत्र अंतर्गत हिलिका घाट में एक अत्यंत दुखद घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, पारिवारिक कारणों से एक दंपति और बहन ने नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल व्याप्त है।तिनसुकिया जिला के दुमदुमा थाना अंतर्गत हिलिका घाट में गत गुरुवार को तीन लोगों ने नदी में छलांग लगाई थी । ४८ घंटे बाद आज दो जनों शंकर कालान्दी और रेजिना कालान्दी गड.का शव बरामद किया गया । डिब्रुगढ.की एनडीआरएफ की टीम ने नदी के शिंगरी घाट और मिसा घाट से अलग अलग दोनों के शव बरामद किया। गुरुवार को संध्या हिलिखा चाय बागान के निवासी शंकर कालान्दी (३३) नामक एक युवक ने हिलिखा नदी घाट में छलांग लगा दी थी । युवक को नदी में कुदते देख उसकी पत्नी अनिता कालान्दी (३२) और युवक की बहन रेजिना कालान्दी गड.(३४) ने भी नदी में छलांग लगा दी । उसके बाद तीनों नदी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने नदी के चारों ओर उनकी खोजबीन किया, किन्तु नहीं मिलने पर शुक्रवार को दुमदुमा थाने में जानकारी दी । इसके बाद दुमदुमा पुलिस के साथ एनडीआरएफ वाहिनी दल ने घटनास्थल पर उपस्थित होकर खोजबीन अभियान चलाया। कुछ घंटों के बाद इस अभियान में अनिता कालान्दी का मृत देह उद्धार करने में एनडीआरएफ की टीम सफल हुई। किन्तु कल शंकर और रेजिना का कोई पता संध्या तक नहीं चल पाया। आज पुनः खोजबीन अभियान चलाया गया और प्रायः ४८ घंटे बाद एनडीआरएफ की टीम ने शिंगरी घाट और मिसा घाट से अलग अलग दोनों का शव बरामद कर लिया गया है। अंततः किस कारण से शंकर और उसकी पत्नी तथा बहन ने नदी में छलांग लगाई इसका सटीक कारण पता नहीं चल पाया है, किन्तु घरेलू कलह की वजह से उक्त वारदात होने का संदेह स्थानीय लोग लगा रहे है । शंकर और अनिता के दो छोटे छोटे बच्चे हैं जबकि रेजिना के भी दो छोटे बच्चे हैं ।स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के पीछे पारिवारिक तनाव की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड.गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मृतका के प्रति संवेदना व्यक्त की।

असम चाय छात्र जनजाति मारघेरिटा शाखा के सौजन्य से मैट्रिक में उत्तीर्ण मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

मारघेरिटा ३१ मई प्रे.सं.।आज मारघेरिटा इंडिया क्लाब में असम चाय छात्र जनजाति मारघेरिटा शाखा के सौजन्य से मैट्रिक परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को फूलाम गमछा और अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही उनकी उज्जवल भविष्य का कामना किया गया। ऊत अभिनंदन समारोह में श्री रामेश्वर तेली विधायक सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों के मेधावी तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित।

तिनसुकिया, प्रे.सं. ३१मई : समाज का दर्पण माने जाने वाले समाचार माध्यमों से जुडे.पत्रकार दिन-रात जनहित में कार्य करते हैं। अनेक चुनौतियों, समय के दबाव और अत्यंत व्यस्त जीवन के बावजूद उनके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी उपलब्धि को सम्मानित करने तथा नई पीढी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ के तत्वावधान में आज बरगुरी स्थित संघ के अपने कार्यालय में स्वगीय चिरंजीव गोयल एवं स्वगीय शरदा देवी गोयल के पुण्य स्मृति में 'पत्रकारों के मेधावी बच्चों को पुरस्कार प्रदान समारोह' आयोजित किया गया।कार्यक्रम का संचालन एवं उद्देश्य व्याख्या संघ के सचिव बिप्लव चेतिया ने किया, जबकि अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राणाज्योति नेओग ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में असम वार्ताजीवी संघ के कार्यकारिणी सदस्य कमल तालुकदार, तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष अनुज कलिता, उपाध्यक्ष रातुल कलिता, कोषाध्यक्ष एवं पुरस्कार दाता दिनेश गोयल, पत्रकार न्यास के अध्यक्ष डॉ. रंजीत दत्त तथा दुमदुमा शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष देबेन डेका उपस्थित रहे।अतिथियों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकारों का जीवन संघर्ष, जिम्मेदारियों और चुनौतियों से भरा होता है। समाज के हित में समाचार संकलन कर सत्य को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए उन्हें अनेक त्याग करने पडते हैं। ऐसे वातावरण में पत्रकार परिवारों के बच्चों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सफलता

प्राप्त करना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों के पीछे विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों का त्याग तथा शिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उद्देश्य स्पष्ट करते हुए सचिव बिप्लव चेतिया ने कहा कि पत्रकारों का पेशा अत्यंत व्यस्त और जिम्मेदारीपूर्ण होता है। कई बार उन्हें अपने परिवार के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, फिर भी उनके बच्चे कठिन परिश्रम, लगन और एकाग्रता के बल पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इन्हीं उपलब्धियों को सम्मानित करने और नई पीढी को प्रेरित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अध्यक्षीय भाषण में राणाज्योति नेओग ने कहा, ङ्गशिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। आज सम्मानित किए जा रहे ये विद्यार्थी भविष्य में देश और समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाएँगे। पत्रकार परिवारों के बच्चों की यह सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे पत्रकार समाज के लिए गौरव का विषय है।ङ्गउन्होंने आगे कहा कि पत्रकारों द्वारा जनहित में किए जाने वाले त्याग और समर्पण के बीच पले-बढे.बच्चों का इस प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी अधिक मेहनत और लगन से आगे बढने की प्रेरणा देगी। साथ ही, पत्रकार समाज में शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करेगी।इस अवसर पर उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में सफल पत्रकार परिवारों के पाँच विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में पत्रकार खगेन मोरान की पुत्री गीताली मोरान (७९%), पत्रकार मनोज बरुआ के पुत्र मानस प्रतिम बरुआ (५८%), पत्रकार फैजुर रहमान के पुत्र फर्दिन रहमान (७९%), पत्रकार विकास बरुआ के पुत्र सागर बरुआ (६४%) तथा पत्रकार अनिल शर्मा की पुत्री लाकी शर्मा (६२%) शामिल हैं। सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गमोसा, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न तथा उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, पत्रकारों, अभिभावकों और शुभचिंतकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और निरंतर परिश्रम किया जाए, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है।कार्यक्रम के अंत में सम्मानित विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके जीवन का एक अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने भविष्य में और अधिक परिश्रम तथा समर्पण के साथ अध्ययन जारी रखने और समाज के योग्य नागरिक बनने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ, अपने अभिभावकों और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।उल्लेखनीय है कि पत्रकार परिवारों के बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक और रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। इस वर्ष का पुरस्कार वितरण समारोह भी उसी परंपरा का हिस्सा है, जिसने विद्यार्थियों के बीच शिक्षा के प्रति रुचि और उत्साह को बढ़ावा दिया है।इसके उपरांत तिनसुकिया जिला पत्रकार संघ की एक कार्यकारिणी बैठक अध्यक्ष राणाज्योति नेओग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश संघ के महासचिव बिप्लव चेतिया ने डाला। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, सदस्यों के कल्याण, पत्रकार सुरक्षा, आगामी कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यशालाओं तथा पत्रकार परिवारों के हितों से जुडे.विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संगठन की गतिविधियों को और अधिक गतिशील, जनोन्मुखी और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

२०० करोड.जबरन वसूली मामले में जैकलीन फर्नांडिस पर आरोप तय, सुकेश चंद्रशेखर समेत कई आरोपी कोर्ट में तलब

नई दिल्ली. (एजें) ३१ मई : बहुचर्चित २०० करोड.रुपये के जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की एक विशेष अदालत ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया आगे बढा दी है. पटियाला हाउस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने मामले में शामिल आरोपियों को ३ जून को अदालत में

उपस्थित होने के लिए तलब किया है. मामले में विस्तृत आदेश का इंतजार है.यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध और संगठित अपराध से जुडी जांच से निकला है, जिसमें आरोप है कि सुकेश चंद्रशेखर और उसके सहयोगियों ने वर्ष २०२० और २०२१ के दौरान पूर्व रैनबैक्सी प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से करीब २०० करोड. रुपये की ठगी और जबरन वसूली की थी. आरोप है कि सुकेश ने खुद को केंद्र सरकार का वरिष्ठ अधिकारी बताकर प्रभाव का झांसा दिया और शिविंदर सिंह को जमानत दिलाने के नाम पर बडी रकम हासिल की.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में दावा किया गया है कि वसूली गई रकम को शेल कंपनियों और विभिन्न वित्तीय लेन-देन के माध्यम से सफेद किया गया. एजेंसी का आरोप है कि इसी धन का एक हिस्सा महंगे उपहार, लग्जरी सामान और अन्य संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया.ईडी ने अपनी पूरक अभियोजन शिकायत में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को भी आरोपी बनाया था. एजेंसी का आरोप है कि जैकलीन को अपराध से अर्जित धन से खरीदे गए करोडों रुपये मूल्य के महंगे उपहार और अन्य लाभ प्राप्त हुए. जांच एजेंसी के अनुसार इन उपहारों की कुल कीमत ७ करोड. रुपये से अधिक है.हालांकि जैकलीन फर्नांडिस की ओर से लगातार यह दलील दी जाती रही है कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर की कथित आपराधिक गतिविधियों की जानकारी नहीं थी और उनका किसी भी अवैध कार्य में शामिल होने का कोई इरादा नहीं था. अभिनेत्री के वकीलों का कहना है कि उनकी मुवक्किल को मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है.इसी महीने ईडी ने जैकलीन की उस याचिका का भी विरोध किया था, जिसमें उन्होंने सरकारी गवाह बनने की अनुमति मांगी थी. एजेंसी का कहना था कि अभिनेत्री कथित अपराध से प्राप्त लाभों की लाभार्थी रही हैं और अब अभियोजन से बचने का प्रयास कर रही हैं.सुकेश चंद्रशेखर लंबे समय से विभिन्न आपराधिक मामलों का सामना कर रहा है. उसके खिलाफ देशभर में कई मामले दर्ज हैं. उपलब्ध जानकारी के अनुसार उसके खिलाफ कुल ३१ मामले हैं, जिनमें से अधिकांश में उसे जमानत मिल चुकी है. हालांकि २०० करोड.रुपये की जबरन वसूली और उससे जुडे.मनी लॉन्ड्रिंग मामले अभी भी न्यायिक प्रक्रिया के अधीन हैं.इस बहुचर्चित मामले पर देशभर की नजरें टिकी हुई हैं. ३ जून को अदालत में होने वाली अगली सुनवाई के दौरान आरोप तय करने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढेगी, जिसके बाद मामले की सुनवाई नए चरण में प्रवेश करेगी.

दरअसल आज इन्होंने कहा कि आज छुट्टी का दिन है और त्यौहार भी नजदीक ही हैं तो क्यों न घर की साफ-सफाई ही कर ली जाए। बस इसीलिए घर को थोड़ा-बहुत चमका दिया है। लेकिन इस जवाब से शांता ताई संतुष्ट नहीं हुई कि तभी उनकी जासूसी नाकों में कुछ गंध पहुंची और वह बोलीं कि अरे वाह! यह बढ़िया-बढ़िया पकवानों की सुगंध कहां से आ रही है? सच-सच बताओ आज किसी का जन्मदिन है क्या या फिर आज तुम्हारी शादी की सालगिरह है। अब तक राधा शांता ताई के तेवरों को देखते हुए तंग आ चुकी थीं आखिर उसने हिम्मत करके उन्हें बता ही दिया कि आज राजीव के बॉस उनके घर पर खाना खाने आने वाले हैं।

ताक-झांक से क्या होगा हासिल?

राजीव एक मल्टीनेशनल कंपनी में एक्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत है। रविवार की बात है जब उसके बॉस उस दिन उस के घर पर खाने पर आ रहे थे। राजीव के बॉस घर आ रहे थे इस बात से उत्साहित उसकी पत्नी राधा सारे घर को सजाने संवारने में लगी हुई थी कि कहीं राजीव के बॉस को कहीं कुछ खराब न लगे। दूसरी तरफ सामने वाले घर में रहने वाली शांता ताई के दोनों कान आज सुबह से ही खड़े थे उनके लिए परेशानी की बात यह थी कि आखिर किस प्रकार पता चले कि राधा के घर में माजरा क्या है? जबकि राजीव और राधा ने सोच रखा था कि बॉस के घर आने की बात किसी को क्या बतानी और बता भी दी तो लोग पता नहीं क्या-क्या बातें करें। कोई कहेगा कि देखो प्रमोशन पाने के लिए बॉस को खुश कर रहा है तो कोई कहेगा कि देखो किस तरह बॉस की चमचागिरी में मशगूल है।

लेकिन इन सबसे दूर राधा के घर के निकट ही शांता ताई की बैचेनी तो जैसे कम होने का नाम ही नहीं ले रही थी। खैर, जैसे-तैसे उन्होंने तरकीब बैठकार अपने बेटे सोनू को राधा के घर गुप्तचरी के लिए भेजा। लेकिन जब वह भी कोई जानकारी पाने में असफल साबित हुआ तो उन्होंने अपनी बेटी मधु बने राधा के घर भेजा। मधु ने राधा से कहा कि आंटी जरा थोड़ी चीनी तो देना, घर में खत्म हो गई है। इस पर राधा बोली कि अभी लाती हूं, और यह कहकर जैसे ही वह किचन की ओर मुड़ी कि तभी मधु ने एकदम से सवाल दागा और बोली कि आंटी, क्या आज घर में कोई मेहमान आ रहे हैं या फिर आज आपके घर में कोई पार्टी है क्या?

इस पर राधा बोली कि नहीं-नहीं बेटा यह तो बस वैसे ही आज साफ सफाई करने का मूड बन गया। अब शांता ताई की मुसीबत और भी बढ़ गई थी क्योंकि मधु भी कोई खबर हासिल नहीं कर पाई। अब थक हार कर शांता ताई स्वयं ही राधा के घर पहुंचीं और बोलीं कि अरे राधा, अभी मधु कह रही थी कि आज तो राधा आंटी का घर चम-चम चमक रहा है तो मैंने सोचा कि आखिर माजरा क्या है, जरा पता तो लगाया जाए। इसलिए तुमसे मिलने चली आई। अपनी बात खत्म करते-करते वह चारों ओर निगाहें घुमा कर बोली कि यदि मेरी किसी काम में आवश्यकता हो तो बताओ। इस पर राधा बोली कि नहीं ताई ऐसी तो कोई बात ही नहीं है। दरअसल आज इन्होंने कहा कि आज छुट्टी का दिन है और त्यौहार भी नजदीक ही हैं तो क्यों न घर की साफ-सफाई ही कर ली जाए। बस इसीलिए घर को थोड़ा-बहुत चमका दिया है। लेकिन इस जवाब से शांता ताई संतुष्ट नहीं हुई कि तभी उनकी जासूसी नाकों में कुछ गंध पहुंची और वह बोलीं कि अरे वाह! यह बढ़िया-बढ़िया पकवानों की सुगंध कहां से आ रही है? सच-सच बताओ आज किसी का जन्मदिन है क्या या फिर आज तुम्हारी शादी की सालगिरह है। अब तक राधा शांता ताई के तेवरों को देखते हुए तंग आ चुकी थीं आखिर उसने हिम्मत करके उन्हें बता ही दिया कि आज राजीव के बॉस उनके घर पर खाना खाने आने वाले हैं।

इस पर शांता ताई बोलीं कि अच्छा, यह बात है। फिर थोड़ी गहरी सांस लेते हुए वह बोलीं कि हां भई आजकल यह सब चीजें भी तो जरूरी हैं आखिर कम कमाई में गुजारा चलाना मुश्किल तो है ही इसलिए प्रमोशन के लिए थोड़ी बहुत चापलूसी तो करनी ही पड़ती है।

राजीव और राधा का यह किस्सा आज आम हो गया है। आज हर व्यक्ति दूसरे की जिंदगी में ताक-झांक को कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाहता। ऐसे में यही विचार मन में आता है कि क्या ऐसा नहीं हो सकता है कि लोग दूसरों की जिंदगी में ताकझांक करना छोड़ दें? कभी-कभी यह भी प्रश्न मन में उठता है कि आखिर क्यों लोग अपनी उलझनों को भूल कर दूसरों के साथ क्या हो रहा है, यह जानने को ज्यादा उत्सुक रहते हैं? मान लीजिए कि कोई कॉलेज जाने वाली लड़की पड़ोस में रहती है तो पड़ोसी लोग यह जानना अपना फर्ज समझते हैं कि वह कब, कहां और किस के साथ आती जाती है। यह भी सच है कि जहां इस प्रकार की निगाहें अधिकतर महिलाओं पर ही रखी जाती हैं तो यह भी सच है कि दूसरों पर भी निगाहें अकसर महिलाएं ही रखती हैं। महिलाओं का स्वभाव यह हो गया है कि यदि उनके पड़ोस में नए पड़ोसी आए हैं तो जब तक वह उन का वर्तमान, भूतकाल और यदि संभव हो तो जब तक भविष्यकाल तक न जान लें, उनको चैन ही नहीं मिलता। पता नहीं क्यों आजकल की महिलाओं को यह समझ नहीं आता कि ऐसा व्यवहार करके आप दूसरे व्यक्ति के जीवन में कितनी मुश्किलें पैदा कर रही हैं? महिलाओं को यह समझना चाहिए कि किसी व्यक्ति के बारे में जो भी उनकी धारणा है या जानकारी है उसके आधार पर उस व्यक्ति के बारे में वह जो प्रचार कर रही है वह जब उन्हें भी नहीं पता कि कितना सही है और कितना गलत तो उसके प्रचार से उस व्यक्ति को बहुत नुकसान पहुंच सकता है।

लिविंग रूम को सजाने के लिए अपनाएं 5 मंत्र

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है।

इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकतीं हैं।

1. कंट्रास्ट- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रास्ट कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकतीं हैं।
2. फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
3. फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
4. पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकतीं हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहतीं है तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। वे मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
5. सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमरा खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

सजावट ऐसी जो मूड बना दे

बैडरूम व ड्रॉइंग रूम में हल्के व कूल रंग का इस्तेमाल करें। जैसे हल्का भूरा या सफेद। यह दिमाग की शांति के लिए अनिवार्य है। एक कमरे में चार में से एक दीवार पर ब्राइट रंग या ग्लास वर्क अभी चलन में है। यह सिस्टम भी एस्ट्रो को सूट करता है। आप जिस कमरे में अपना सबसे महत्वपूर्ण काम करते हैं वहाँ मनपसंद और एस्ट्रो के अनुसार चमकदार कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

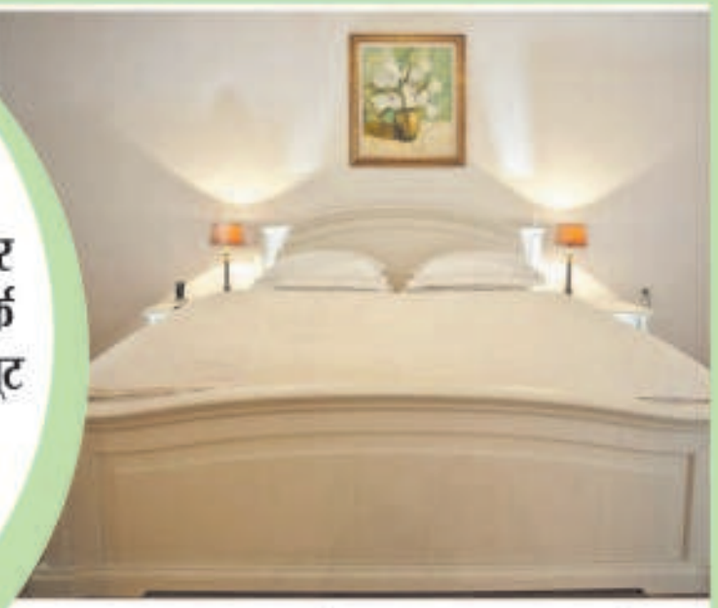

घर का वातावरण कूल बनाए रखने में ज्योतिष अहम् भूमिका निभाता है। अपने घर को एस्ट्रो टच देकर घर और मन की शांति को बनाए रख़ा जा सकता है। एस्ट्रो और च्वॉइस का सही कॉम्बिनेशन आपके लिए उपयोगी हो सकता है। बच्चों के कमरे में हमेशा ब्राइट रंग करना बेहतर होता है। कमरा यदि लड़के का हो तो उसमें नीला रंग और लड़की के कमरे में गुलाबी रंग अच्छा होता है। चाहे तो राशि के अनुसार रंगों का सिलेक्शन करें। वहीं बैडरूम व ड्रॉइंग रूम में हल्के व कूल रंग का इस्तेमाल करें। जैसे हल्का भूरा या सफेद। यह दिमाग की शांति के लिए अनिवार्य है। एक कमरे में चार में से एक दीवार पर ब्राइट र ंग या ग्लास वर्क अभी चलन में है। यह सिस्टम भी एस्ट्रो को सूट करता है। आप जिस कमरे में अपना सबसे महत्वपूर्ण काम करते हैं वहाँ मनपसंद और एस्ट्रो के अनुसार चमकदार कलर इस्तेमाल कर सकते हैं।

दीवारों पर वॉल पेपर भी ट्राई कर सकते हैं और बाद में इसे चेंज भी कर सकते हैं। खूबसूरत वॉल पेपर घर को अच्छा लुक देते हैं। यह वॉल पेपर ज्योतिष के अनुसार शुभ और मंगलकारी होना जरूरी है। घर का माहौल खुशनुमा बनाने का सबसे अच्छा तरीका है घर के हर कोने में पौधे लगाना। पौधों से पॉजिटीव एनर्जी मिलती है। इससे कमरों में ऑक्सीजन की भी पर्याप्त मात्रा मिल जाती है और कम रुपयों में घर की सजावट भी। इससे मूड भी अच्छा रहता है। घर के अंदर एक मिनी बगिया विकसित कर सकते हैं, जिसमें कमल के फूल व फिशेस हों। यह देखने में सुंदर और अट्रेक्टिव लगता है। साथ ही एस्ट्रो के अनुसार घर बैठे मछलियों की सेवा भी हो जाएगी। शोपीसेस के अलावा पूरी तरह से कमरों को पौधों से डेकोरेट कर सकते हैं। हरी-भरी बगिया घर के अंदर ही होगी तो सोचिए कितना कूल लगेगा। अलग कमरों में अलग रंग कर सकते है, लेकिन सारे घर में एक ही रंग करने से परिवार में संतुलन और शांति नजर आती है। कोशिश कीजिए कि जो रंग सबकी राशियों को सूट करे वही शेड्स आजमाएँ। सजावट ऐसी हो कि स्पेस ज्यादा दिखे। खुला माहौल भी दिमाग को शांत रखता है।

सूखे फूलों से सजावट

फूलों से हर कोई प्रेम करता है। एक ओर जहाँ ये आपके घर को खूबसूरत लुक देते हैं वहीं मन को भी सुकून देते हैं। किसी को आपने कुछ उपहार देना हो तो सबसे पहले आप फूलों को ही देखते हैं। ऐसा कई बार होता है कि आपका मन परेशान हो लेकिन खिले फूलों को देखकर आप ताजगी भरा महसूस करने लगें। यही वजह है कि किसी बीमार व्यक्ति के सामने हम हमेशा फूल रख देखे हैं ताकि वह जल्दी से ठीक हो जाए। खिलते फूलों के साथ ही आप सूखे हुए फूलों से भी अपने घर को सजा सकते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि जो फूल मौसमी होते हैं यानी सर्दी और गर्मी दोनों ही फूलों का मजा आप एक साथ ले सकते हैं। इन्हें आप अपने घर में ही सुखा सकते हैं। फूलों को कई प्रकार से सुखाया जा सकता है जैसे वैक्यूम ड्राइंग, ओवन ड्राइंग, हवा में सुखाना या फिर माइक्रोवेव ड्राइंग। ओवन ड्राइंग एक ऐसी विधि है जिसमें फूलों के किसी पात्र में रखकर ओवन में रखकर सुखाया जाता है जिसका एक निर्धारित तापमान होता है। इस विधि से फूल जल्दी सूख जाते हैं। डहलिया के फूल की खूबी है कि इसकी पंखुड़ियों का रंग अधिक समय तक टिका रहता है। इसके फूलों के कणों को विकसित होने से पहले ही इन्हें तोड़ लें और इसकी टहनी में बालूमिट्टी भर दें। इसके फूलों को ओवन में 35 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सुखा लें।

तृषा कृष्णन

को लेकर बदले मंसूर अली खान के सुर, एक्ट्रेस के खिलाफ करेंगे मानहानि का केस, माफी को बताया मजाक

तृषा कृष्णन और मंसूर अली खान का विवाद एक बार फिर चर्चा में बना हुआ है। एक्ट्रेस पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद अब मंसूर अली खान अपने माफीनामे से मुकर गए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने तृषा कृष्णन के खिलाफ केस करने की बात कह डाली है।

तृषा कृष्णन और मंसूर अली खान पिछले कुछ दिनों से खबरों में बने हुए। मंसूर अली खान ने एक्ट्रेस पर अभद्र टिप्पणी कर बखेड़ा खड़ा कर दिया था। एक्ट्रेस के साथ-साथ साउथ के कई बड़े स्टार्स ने उन्हें लताड़ लगाई थी।

तृषा पर करेंगे केस

मंसूर अली खान ने पहले माफी मांगने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में मामले को बढ़ता देख उन्होंने माफी मांग ली थी। ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने उनका बयान एक्स पर शेयर किया था। एक्ट्रेस ने उनकी माफी को स्वीकार भी कर लिया था। वहीं, अब मंसूर अली खान ने अपने माफीनामे को महज एक मजाक बताया है। उन्होंने सीएनएन 18 के साथ बातचीत में कहा कि वो तृषा कृष्णन पर मानहानि का केस करने जा रहे हैं। उनके वकील ने सारे डाक्यूमेंट भी तैयार कर लिए हैं।

क्या बोले लियो एक्टर

मंसूर अली खान ने तृषा कृष्णन पर मानहानि केस को लेकर कहा, हम ये करने जा रहे हैं आज। हमने सारे डाक्यूमेंट तैयार कर लिए हैं। मेरे वकील आज शाम 4 बजे बाकी जरूरी बातें शेयर करेंगे। वो प्रेस से मिलेंगे। जब उनके तृषा कृष्णन से माफी मांगने वाले बयान के बारे में पूछा गया तो एक्टर ने कहा, ये अब तक सबसे बड़ा मजाक था।

क्या है पूरा मामला ?

सारा विवाद मंसूर अली खान के एक इंटरव्यू वीडियो को लेकर मचा है, जिसमें उन्होंने कहा, मेरी बातों का मतलब व्यक्तिगत तौर पर नहीं था। अगर सिनेमा में शोषण या मर्डर का सीन होता है, तो क्या वो रियल होता है? क्या इसका मतलब सचमुच किसी का शोषण करना है? सिनेमा में मर्डर करने का क्या मतलब है? क्या इसका मतलब ये है कि वे सचमुच किसी की जान ले रहे हैं? मुझे माफी मांगने की जरूरत क्यों है? मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा। मैं सभी अभिनेत्रियों का सम्मान करता हूं।

घर से भागकर पहुंचा सपनों की नगरी मुंबई, फिर की कड़ी मेहनत, एक्टिंग के साथ ही राजनीति में भी अपना दम दिखा रहा ये भोजपुरी स्टार

रवि किशन की दमदार एक्टिंग ने लाखों लोगों का दिल जीता है. उन्होंने ना सिर्फ भोजपुरी में बल्कि बॉलीवुड में भी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है. लेकिन रवि किशन का ये सफर इतना आसान नहीं रहा है. इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी कठिनाइयों का सामना किया है. आइए जानते हैं उनके उस स्ट्रगल दौर के बारे में कुछ बातें.

बचपन में घर से भाग गए थे रवि किशन

रवि किशन का जन्म 17 जुलाई को 1969 को मुंबई में हुआ था. लेकिन कुछ सालों बाद उनका परिवार उत्तर प्रदेश लौट आया था. रवि ने बचपन में ही एक्टर बनने का सपना सजा लिया था. अपने इस सपने को पूरा करने के लिए रवि ने 17 साल की उम्र ही घर छोड़ दिया था. आईएमबीडी के मुताबिक वे सिर्फ 500 रुपये लेकर मुंबई आए थे.

रवि ने यहां आकर काफी स्ट्रगल किया लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. एक्टर ने लंबे संघर्ष के बाद साल 1992 में फिल्म बॉलीवुड फिल्म पीतांबर से एक्टिंग करियर की शुरुआत की. इसके बाद रवि ने एक के बाद एक फिल्मों में काम किया. बॉलीवुड में तो उन्होंने ठीक-ठाक काम किया. लेकिन उन्हें असली पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली.ऐसे बने भोजपुरी के सुपरस्टार वैसे तो उन्हें टीवी शोज से लेकर बॉलीवुड में काम मिल रहा था, लेकिन उन्हें खुद की एक पहचान बनानी थी, जो उन्हें भोजपुरी फिल्म सैंया हमार से मिली. इस फिल्म में के लिए उन्हें मोहनजी प्रसाद ने कास्ट किया था. उन्हें नए चेहरे की तलाश थी. हालांकि, पहली नजर में मोहनजी ने रवि को रिजेक्ट कर दिया था. दरअसल, मोहनजी रवि को मराठी एक्टर समझ बैठे थे. लेकिन दलतफहमी दूर होने के बाद उन्होंने रवि को झट से साइन कर लिया.

भोजपुरी की पहली फिल्म सैंया हमार ने ही रवि को सुपरस्टार बना दिया था. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था. हालांकि, रवि को बॉलीवुड से भोजपुरी में आने से थोड़ा डर लग रहा था लेकिन अपनी मां कहने पर उन्होंने इस तरफ रुख किया था. फिल्म के सुपरहिट होने के बाद उनका हौसला बढ़ गया और उन्होंने भोजपुरी में एक के बाद एक हिट फिल्में दीं.

शाहरुख खान संग की पहली फिल्म, डेब्यू से मिला खूब नाम! अब फिल्मों से दूर ऐसी जिंदगी जी रहा Pardes का ये एक्टर

ये दुनिया इक दुल्हन, दुल्हन के माथे की बिंदिया...ये मेरा इंडिया, आई लव माई इंडिया... ये लाइनें शाहरुख खान की उस फिल्म की हैं जिसने लोगों में देशभक्ति की भावना जगा दी थी. ये गाना फिल्म परदेस का है जिसमें शाहरुख खान के साथ महिमा चौधरी लीड रोल में नजर आईं थीं. वहीं शाहरुख के अलावा एक और एक्टर का भी इसमें मुख्य किरदार था. जी हां, हम बात कर रहे हैं अपूर्व अग्निहोत्री की.

अपूर्व अग्निहोत्री ने फिल्म परदेस से ही अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था और वे आते ही छा गए थे. खास बात यह है कि उनकी यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म में अपूर्व का लुक देख दर्शक उनके फैन हो गए थे और उनकी एक्टिंग को भी खूब वाहवाही मिली थी. लेकिन शायद रातोंरात स्टार बनने वाले अपूर्व की किस्मत में चांदनी चार दिन के लिए ही थी.

फिल्मों से बनाई दूरी, टीवी के लिए किया काम

परदेस के बाद अपूर्व अग्निहोत्री कई और फिल्मों में नजर आए. उन्होंने अजीब दास्तान है ये, हम हो गए आपके, प्यार कोई खेल नहीं जैसी कई फिल्मों में काम किया. लेकिन उनको किसी भी फिल्म को वो प्यार न मिल सका जो कि परदेस को मिला था. बड़े पर्दे पर कई बार हार का मूंह देखने के बाद अपूर्व ने हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली और छोटे पर्दे की तरफ कदम बढ़ा लिए.

इन टीवी सीरियल्स का हिस्सा रहे अपूर्व

फिल्मों के बाद अपूर्व अग्निहोत्री ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया. वे मोना सिंह के फेमस टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं में दिखाई दिए. इसके अलावा उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी, सपना बाबुल का बिदाई, आसमान से आगे, बेपनाह और अनुपमा में भी अहम किरदार निभाए और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई.

आलिया भट्ट

ने बहन Shaheen Bhatt को ऐसे किया बर्थडे विश, लिखा यह खूबसूरत नोट

आलिया भट्ट की बड़ी बहन शाहीन भट्ट (Shaheen Bhatt) आज अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं। आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के बेहद करीब हैं और इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपनी बहन को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। तस्वीरों में आलिया और शाहीन की बॉन्डिंग लोगों का दिल जीत रही है।

आलिया ने बहन को दी जन्मदिन पर बधाई

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) की बहन शाहीन भट्ट (Shaheen Bhatt) को बर्थडे विश किया और इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरे भी साझा की है। इन तस्वीरों के साथ-साथ उन्होंने बहन के लिए एक प्यार भरा नोट भी लिखा है, तुम आनंद हो.. तुम प्रकाश हो। या हमारे बीच कभी-कभार झगड़ा हो सकता है। तुम धूप हो, तुम हवा हो। कृपया कृपया हमेशा अपने घुटनों का ख्याल रखें। मैं कोई लेखक नहीं.. मैं कोई कवि नहीं मैं सिर्फ आपकी प्यारी बहन हूं और मुझे यकीन है कि

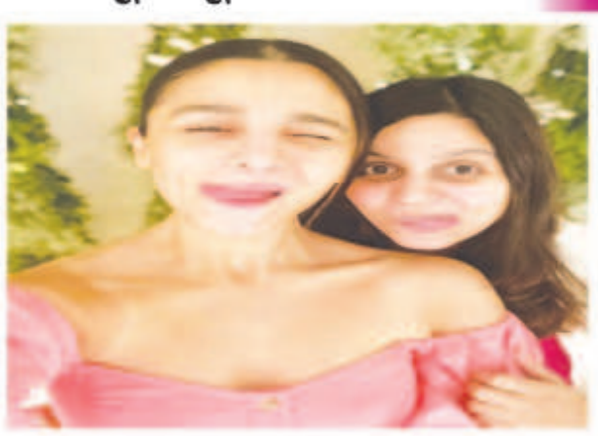

आप यह जानते हैं। जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी।

क्या करती हैं शाहीन भट्ट

बता दें, शाहीन भट्ट फिल्मी पर्दे से दूर है, लेकिन अक्सर पार्टी और बड़े-बड़े इवेंट्स में आलिया के साथ नजर आती हैं। शाहीन बहन की तरह एक्ट्रेस नहीं है बल्कि एक लेखक हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर किताबें लिखी है।

शाहीन का है प्रोडक्शन हाउस

बता दें, शाहीन भट्ट तब ज्यादा सुर्खियों में आई थी जब उन्होंने लोगों के सामने खुलकर अपनी मेंटल हेल्थ पर बात की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि जब वह 20 साल तक डिप्रेशन का शिकार रही और अपने अनुभवों पर उन्होंने एक किताब आई हैव नेवर बीन (अन) हैप्पीयर भी लिखी। शाहीन भट्ट ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि अपनी किताब लिखने से पहले उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की थी। हालांकि अब वह इन चीजों से बाहर आ चुकी हैं। बता दें, लेखक होने के साथ शाहीन अपनी छोटी बहन आलिया के साथ मिलकर प्रोडक्शन हाउस भी चलाती हैं।

याददाश्त बढ़ाता है ग्रीन टी का सत्व

लंदन। ग्रीन टी को वैसे तो हमेशा ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना गया है लेकिन वैज्ञानिक अब इस नतीजे पर पहुंचे है कि ग्रीन टी का सत्व याददाश्त बढ़ाने के लिए भी मददगार साबित होता है।

मानसिक बीमारी में भी फायदा: स्विटजरलैंड स्थित बासेल विविद्यालय के शोधार्थियों का मानना है कि ग्रीन टी के इस नए फायदे का लाभ मानसिक बीमारी डिमेंशिया, स्मृतिलोप के इलाज में काफी कारगर साबित हो सकता है। 'द अकेडमिक जरनल साइको फॉरमेकोलॉजी' ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित किया है। 'यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ बासेल' के प्रो.क्रिस्टोफर बेगलिंग तथा 'साइकैट्रिक यूनिवर्सिटी क्लीनिक्स' के प्रो. स्टीफन बोर्गवर्ट के इस शोध दल ने पाया कि ग्रीन टी का सत्व मस्तिष्क को प्रभावी सक्रियता को बढ़ाता है और यह सक्रियता दिमाग के 'ज्ञान संबंधी' तंत्र को मजबूत करती है।

शोध में मस्तिष्क के पीछे तथा आगे के कार्टेक्स के बीच बेहतर तारतम्य स्थापित हुआ: अपने शोध के लिए वैज्ञानिकों ने स्वस्थ पुरुषों को चुना। इन लोगों को एक पेचीदा 'टास्क' दिया गया लेकिन काम शुरू करने से पूर्व इन्हें एक ऐसा शीतल पेय दिया गया जिसमें कई ग्राम ग्रीन टी का सत्व था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इनका 'एमआरआई', 'मेगनेटिकरोजोनेंस इमेजिंग' कर मस्तिष्क की सक्रियता पर ग्रीन टी के सत्व के असर की जांच की। 'एमआरआई' की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने पाया कि मस्तिष्क के पीछे तथा आगे के कार्टेक्स के बीच बेहतर तार तम्य स्थापित हुआ है। जो यह सिद्ध करता है कि ग्रीन टी मस्तिष्क की सक्रियता को बनाए रखता है तथा बढ़ाता भी है। इसके पहले तक के शोध विभिन्न बीमारियों पर ग्रीन टी के असर तक ही सीमित थे लेकिन पहली बार मस्तिष्क पर ग्रीन टी के फायदे का पता लगने से कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं के इलाज में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। (वार्ता) ग्रीन टी का सत्व मस्तिष्क को प्रभावी सक्रियता को बढ़ाता है और यह सक्रियता दिमाग के 'ज्ञान संबं धी' तंत्र को मजबूत करती है

लगाएं बढ़ते पेट पर लगाम!

अगर आपका पेट बेकाबू है और आप इसे अंदर करना भी चाहते हैं तो समझ लीजिए की आपको ऐड़ी का जोर लगाना पड़ेगा, क्योंकि बढ़ा हुआ पेट कम करना आसान काम नहीं। बढ़ा हुआ पेट आपको दूसरों की नजरों के साथ-साथ अपनी नजरों में भी गिराता है। रही बात पेट को सपाट यानी अंदर करने की होड़ की बात तो इसमें आजकल बॉलीवुड बड़ा रोल अदा कर रहा है। हमारे सलमान से लेकर जॉन अब्राहम तक के सभी हीरो अपने एब्स दिखाने की होड़ के आदि हो चुके हैं। इनकी देखा-देखी हमारे अधेड़ उम्र के लोग भी पेट सपाट करने की जुगत में लग चुके हैं क्योंकि अब उन्हें भी फूला हुआ पेट बिल्कुल नहीं भाता। यदि आप भी अपना सपाट पेट पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ चेंजेस करने होंगे साथ ही काफी समर्पण की जरूरत होगी। इन सबके बाद बारी आती है शुरुआत करने की, तो आप इसके लिए सबसे पहले अपने खानपान और जीवनशैली को बदल दें। शुरुआत में आपको आहार में कार्बोहाइड्रेट को कम करना होगा।

ऐसे करें शुरुआत

सुबह की शुरुआत पानी से करें : पानी हमारे शरीर की एक बहुत बड़ी जरूरत है यदि पानी नहीं तो जीवन नहीं। रोज फ्रैश होने से पहले एकदो गिलास पानी पीना चाहिए। पानी हमारे शरीर में जमा खराब टॉक्सिन बाहर निकालने में सबसे बड़ा रोल अदा करते हैं, साथ ही पानी बिना पचे हुए भोजन को भी शरीर से बाहर करता है। इससे चर्बी के जमा होने का खतरा कम हो जाता है।

फिर करें एक्सरसाइज: शुरु आत सुबह की वॉक से करें। कम से कम आधा घंटा यानी 30 मिनट की वॉकिंग जरूरी है। पेट की चर्बी बड़ी ढीठ होती है इसे गलाने में साल भी लग जाते हैं। पेट कम करने के लिए पेट की एक्सरसाइज भी जरूरी है, लेकिन अपने स्पाइन को ध्यान में रख कर ही पेट की एक्सरसाइज शुरू करें।

नाश्ते में शामिल करें: नाश्ते में आप स्प्राउड, ब्राउन ब्रेड, केनफ्लॉग, दलिया, बादाम व ओट्स ले सकते हैं। ये होल ग्रेनी फूड्स पौष्टिक के साथ-साथ ताकत भी देते हैं। इसमें काम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होता है जो शरीर की चर्बी को गलाने में मदद करता है। इनसे पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलेगी।

दोपहर का भोजन: दोपहर के भोजन में कोई भी सब्जी व दो से तीन चपाती या ब्राउन राइस, दलिया व ओट्स ले सकते हैं। इनसे जल्दी भूख नहीं लगेगी और पेट भरा-भरा रहेगा। साथ ही यह भी याद रखें कि खाने के साथ पानी नहीं पीना चाहिए, खाने के आधे-एक घंटे बाद ही पानी पिएं। इससे आपका पेट नहीं निकलेगा।

शाम के नाश्ते में: यदि आप शाम को नाश्ता लेते हैं तो इनमें आप हल्का- फुल्का कुछ भी ले सकते हैं यानी चाय के साथ रस, बिस्कुट आदि। बिस्कुट में आप लो फैट वाले ही बिस्कुट लें। सबसे अच्छे बिस्कुट आटे के होते हैं। इससे आपको चर्बी घटाने में आसानी होगी।

रात्रि भोजन: रात्रि भोजन में आप पहले कोई भी सूप ले लें व कुछ समय बाद दाल व सब्जी के साथ दो रोटी व सालाद में नींबू-टमाटर आदि ले सकते हैं। नींबू आपकी चर्बी को काटने में मदद ही करेगा। रात्रि को गरिष्ठ यानी तला हुआ भोजन नहीं करना चाहिए। डॉक्टरों के मुताबिक रात्रि का भोजन सोने से दो से तीन घंटे पहले व हमेशा ही हल्का-फुल्का लेना चाहिए। इससे खाने को पचाने का पर्याप्त समय मिल जाता है। समतल पेट पाने का यह अहम तरीका है।

पुरुषों के लिए भी जरूरी है बालों की देखभाल

- मेथी दाने से आप अपने बाल शाइनी और मुलायम बना सकते हैं
- अगर आपके बाल रूखे और टाइट हैं तो आप केले का हेयर पैक लगा सकते हैं
- हिना पैक सिर को पोषण देता है और रंग भी देता है
- अंडा पैक हर तरह के हेयर डैमेज को सही कर देता है

आज वाकई पुरु ष बहुत महनत करने लगे हैं। सुबह से देर रात कोई समय नहीं होता जब वे अपने और अपने बालों के लिए समय निकाल पाते हों, इसी लिए उनके बाल बेजान होकर गिरने व खराब होने लगते हैं। धूल, मिट्टी और प्रदूषण से ही बाल ज्यादा डैमेज होते और रूसी की भी समस्या रहने लगती है। अब पुरुषों को भी अपने शरीर के साथ-साथ बालों की भी देखभाल करने की जरूरत है। इसलिए कुछ घरेलू हेयर पैक हैं जो खास केवल पुरु षों के लिए ही हैं। इस घरेलू हेयर पैक को किसी भी उम्र में लड़के लगा सकते हैं। इन हेयर पैक्स का कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। इसे अपने बालों के प्रकार के हिसाब से प्रयोग करें।

केले का हेयर पैक: अगर आपके बाल रूखे और टाइट हैं तो आप केले का हेयर पैक लगा सकते हैं। एक पका हुआ केला लें, उसमें एक चम्मच शहद और थोड़ा सा नींबू का रस डालें। इसे अच्छी तरह से फेंट कर पेस्ट बनाएं और बालों की जड़ों तक लगाएं। फिर इसे हल्के शैंपू से धो लें।

अंडा हेयर पैक: यह हर तरह के हेयर डैमेज को सही कर देता है। एक अंडे का सफेद भाग लें, फिर उसमें एक चम्मच शहद, नींबू का रस और एक चम्मच जैतून का तेल मिक्स करें। इस मिशण्रको अपने सिर पर लगाएं। फिर सिर को 20 मिनट के बाद धो लें।

मेथी हेयर पैक: अगर आपको अपने बाल शाइनी और मुलायम बनाने हैं तो इस पैक को लगाएं। मेथी को रातभर पानी में भिगो कर रखें। फिर इसका पेस्ट बनाएं और इसमें आधा कप दही मिलाएं। फिर इस पेस्ट को सिर पर लगाएं। जब यह सूख जाए इसे हल्के शैंपू से धो लें।

हिना हेयर पैक: यह पैक सिर को पोषण देगा और रंग भी देगा। हिना पॉवडर से पेस्ट बनाएं, इसमें आप आंवला और दो चम्मच दूध मिला कर पेस्ट बना सकते हैं। इस पेस्ट को लगाने के एक घंटे बाद सिर को धो लें।

गुड़हल हेयर पैक : गुडहल के पत्तों का पेस्ट बनाएं और उसमें जोजोबा तेल या नारियल तेल मिलाएं। इस पेस्ट को बालों की जड़ों तक लगाएं। फिर सूखने पर इसे अच्छी तरह से धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

लॉफिंग ज़ौन

बंता: 'ऐसा लगता है कि वह लड़की ऊंचा सुनती है। मैं कुछ कहता हूं वह कुछ और ही बोलती है।'

संता: 'वो कैसे ?'

बंता: 'मैंने कहा , 'आई लव यू , तो वह बोली मैंने कल ही नए सैंडल खरीदे हैं।'

□ □ □

संता एक दिन अकेले बैठकर रो रहा था।

बंता ने पूछा: 'यार संता , तुम क्यों रो रहे हो ?'

संता: 'यार , एक लड़की को भूलने की कोशिश कर रहा हूं।'

बंता: 'इसमें रोने की क्या बात है?'

संता: 'जिस लड़की को भूलने की कोशिश कर रहा हूं, उसका नाम याद नहीं आ रहा।'

□ □ □

मरते समय पति ने अपनी पत्नी को सब कुछ सच-सच बताना चाहा। उसने कहा- मै तुम्हें जीवन भर धोखा देता रहा ।

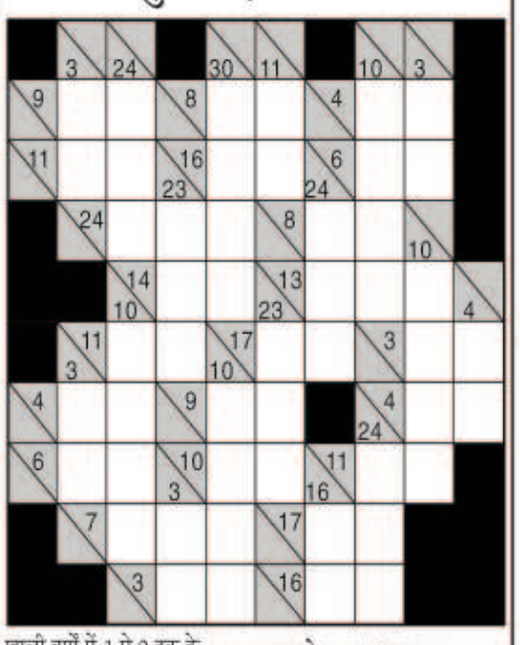

सच तो यह है कि दर्जनों औरतों से मेरे नाजायज संबंध थे।

पत्नी बोली- मैं भी सच बताना चाहूगी। तुम बीमारी से नही मर रहे, मैंने तुम्हें धीरे-धीरे असर करने वाला जहर दिया है

काकुरो पहेली - 4070

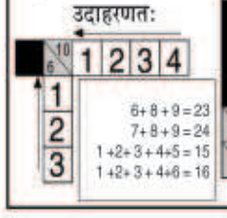

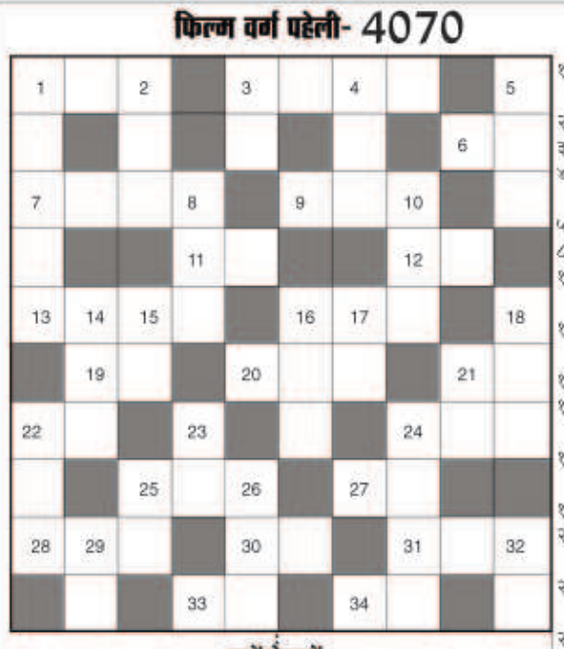

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4069 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4070

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरुख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फराह की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4069

सूडोकु -4070

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4069 हल

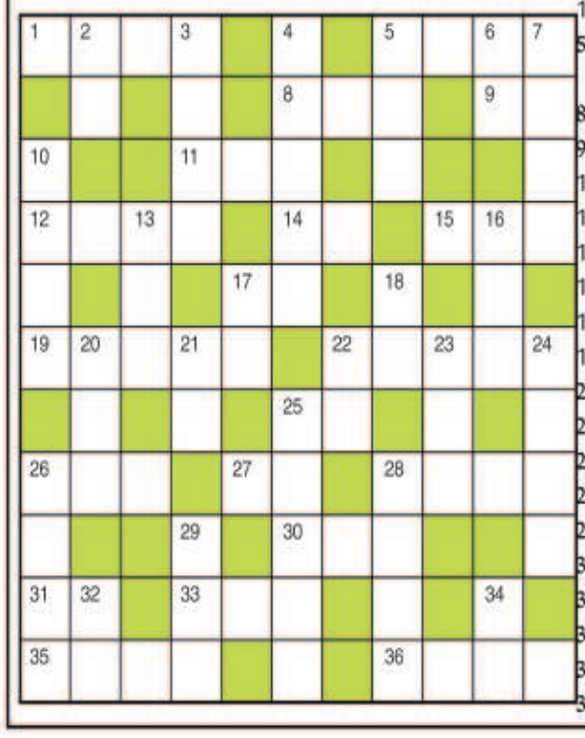

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली -4070

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदु कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांच-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -4069 का हल

देश की राजधानी को दहलाने की बड़ी साजिश बेनकाब, आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के ९ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली.(एजेंं) ३१ मईः दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बडे. आतंकी-संगठित अपराध नेटवर्क का भंडाफोड. करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम से जुडे. तत्वों और पाकिस्तान-दुबई आधारित ऑपरेटरों के साथ मिलकर भारत में बडी. आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री, ग्रेनेड और अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद किए हैं.सूत्रों के अनुसार इस नेटवर्क के तार पाकिस्तान और दुबई तक जुडे.हुए हैं. गिरफ्तारियां दिल्ली, मुंबई, राजस्थान और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में चलाए गए समन्वित अभियान के दौरान की गई. जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपियों को देश की महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थापनाओं को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था.प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि नेटवर्क तीन स्तरों पर संचालित हो रहा था. सूत्रों के मुताबिक पूरे ऑपरेशन का

रणनीतिक मास्टरमाइंड पाकिस्तान की आईएसआई थी, जबकि नेटवर्क का एक हिस्सा अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुडे.तत्वों के निर्देश पर काम कर रहा था. वहीं दूसरे हिस्से का संचालन पाकिस्तान से जुडे. कथित ऑपरेटर शहजाद भट्टी द्वारा किया जा रहा था. जांच एजेंसियां इन सभी कडि?ों की विस्तृत पडताल कर रही हैं.सूत्रों का कहना है कि आतंकियों के निशाने पर दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाएं थीं. संभावित लक्ष्यों में पावर प्लांट, बिजली उत्पादन एवं वितरण केंद्र, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और ऊर्जा क्षेत्र से जुडे. अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान शामिल थे. सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन ठिकानों पर हमला कर व्यापक जनहानि के साथ-साथ देश की आवश्यक सेवाओं को बाधित करने की साजिश रची जा रही थी.ांच में यह भी सामने आया है कि बरामद विस्फोटक सामग्री कथित तौर पर सीमा पार से भारत पहुंचाई गई थी. एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विस्फोटकों और हथियारों की खेप देश के भीतर किस नेटवर्क के जरिए पहुंचाई गई और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे. बरामद सामग्री में ग्रेनेड और कई अत्याधुनिक विदेशी हथियार शामिल बताए जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ.गई है.गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कई और महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है. जांच एजेंसियां उनके डिजिटल उपकरणों, संचार माध्यमों और वित्तीय लेनदेन की भी जांच कर रही हैं ताकि पूरे नेटवर्क की संरचना, फंडिंग और विदेशी संपर्कों का पता लगाया जा सके. दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर (स्पेशल सेल) मामले को लेकर पुलिस मुख्यालय में प्रेस ब्रीफिंग करेंगे, जिसमें ऑपरेशन की पूरी जानकारी, गिरफ्तार आरोपियों की भूमिका और बरामद हथियारों एवं विस्फोटकों से जुडे.विवरण साझा किए जाने की संभावना है.सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए बडी. सफलता है, क्योंकि इससे एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसके तार कथित तौर पर पाकिस्तान की आईएसआई, दुबई आधारित ऑपरेटरों और अंडरवर्ल्ड से जुडे. तत्वों तक पहुंचते हैं. हालांकि जांच अभी जारी है और कई तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की विस्तृत ब्रीफिंग के बाद ही हो सकेगी.

ब्रिटेन बिक जाए तब भी नहीं चुका पाएगा ४५००००० करोड. डॉलर, फिर ऐंठन किस बात की? गोरों को अपने कुकर्म भी याद नहीं

नई दिल्ली (एजें) ३१ मईः सौ बात की एक बात: ब्रिटेन में आजकल एक हवा चल रही है - भारतीय वहां के रोजगार पर डाका डाल रहे हैं. अब इन गोरों को वो बात भी याद नहीं रह गई, जब वे लोग भारत को लूटकर खुद सुपरपावर बने. यहां के पैसों से खुद को सजाया, संवारा और सशक्?त किया. गोरे ये भी भूल गए कि उन्?होंने भारत में लूटपाट की थी, जबकि भारतीय

अपनी काबिलियत के दम पर आगे बढ.रहे हैं.सौ बात की एक बात ये कि ये जो गोरों में फैलाया जा रहा है भारतीय उनके देशों में जा कर उनकी नौकरियां खा रहे हैं, इस पॉलिटिक्स का जवाब देने की जरूरत है. इसलिए भी जरूरत है क्योंकि लोगों को ये लॉजिक ठीक लग रहा है कि भाई बाहर के देशों से अगर कोई उनके देश में आ कर काम करेगा तो लोकल लोग तो बिफरेंगे ही. ब्रिटेन में तो एक पाटी ही खडी. हो गई है रिफॉर्म यूके नाम की जिसने इस बार के वहां के लोकल काउंसिल चुनावों में वहां की पुरानी पार्टियों को ही पीछे छोड.दिया. और उसकी पॉलिटिक्स ही यही है कि ब्रिटेन अब ब्रिटेन वालों का ही नहीं रहा. और बाहर से आ कर लोग वहां बस रहे हैं. लेकिन इसमें ये फर्क करना जरूरी है कि भाई एक तो वो हैं जो गैर-कानूनी तरीके से इराक से आ रहे हैं, सिरिया से आ रहे हैं, अफगानिस्तान से आ रहे हैं, अफ्रीका के सूडान से आ रहे हैं और भी कई अफ्रीकी देशों से आ रहे हैं. वो तो हो गया वहां का घुसपैठिया फैक्टर. कि वो गैर-कानूनी तरीके से आ रहे हैं और ब्रिटेन के लोगों पर बोझ बन रहे हैं.लेकिन नेता लोग वहां अब भारतीयों को भी लपेटे में लेने लग गए हैं. वहां के एक निर्दलीय सांसद हैं रूपर्ट लो. वो भी रिफॉर्म यूके पाटी में हुआ करते थे. अब उन्होंने अपनी एक अलग मुहिम शुरू की है 'रिस्टोर ब्रिटेन के नाम से'. वो भी यही पॉलिटिक्स चमका रहे हैं. उन्होंने कह दिया कि ये लाखों भारतीय और पाकिस्तानी ब्रिटेन में आ कर ब्रिटेन के बेरोजगारों का रोजर छीन रहे हैं. कह रहे हैं कि मुझे जिसको रेसिस्ट कहना है कह ले, जिसको नस्लवादी कहना है कह ले, लेकिन मुझे फर्क नहीं पडता, ये बंद होना चाहिए. और लोग कह रहे हैं कि अगर वो अपने देश की बात कर रहे हैं तो गलत क्या है? वहां के सांसद हैं तो अपने लोगों के बारे में ही बोलेंगे, इसमें गलत क्या है? तो ऐसे लोगों को बताने की जरूरत है कि गलत क्या है. कौन से रोजगार छीन रहे हैं भारतीय? गोरों के रोजगार छीन रहे हैं भारत के लोग? कौनसे रोजगार? उनकी कंपनियों के रोजगार? कहां से बनी वो कंपनियां? कहां से बना है वो अमीर देश? हमें गरीब देश के लोग बता रहे हो जो तुम्हारी नौकरियां ले रहे हैं, तुम्हारा काम-धंधा ले रहे हैं? कहां से खडा. किया गोरों ने ये काम-धंधा जिसपर ऐसे ऐंठ रहे हैं कि उनकी मिल्कियत भारत के लोग ले जा रहे हैं? औद्योगिक क्रांति से बनाया आपने? औद्योगिक क्रांति का पैसा कहां से आया था?

याददाश्?त ताजा करने की जरूरत डइन लोगों की याददाश्त ताजा करने की जरूरत है. ये जो ऐंठ रहे हैं कि भारत के लोग हमारे महान ब्रिटेन में कैसे घुसे चले आ रहे हैं इनको याद दिलाने की जरूरत है कि वो आए थे यहां. वो आए थे यहां भीख मांगते हुए कि व्यापार कर लो उनके साथ. ४०० साल पहले अंग्रेज जब भारत आए थे तो पूरी दुनिया की त्रद्धछ्र में भारत का हिस्सा जानते हैं कितना था? २५%, दुनिया की एक चौथाई त्रद्धछ्र भारत से आती थी. सबसे अमीर देश भारत था. और ब्रिटेन का हिस्सा कितना था? २%, सिर्फ २% हिस्सा रखने वाला मामूली सा देश ब्रिटेन था. वो आए जहांगीर के दरबार में और मिन्?नतें कर रहे थे कि हमारे साथ व्यापार कर लो. ब्रिटेन के राजघराने का दूत जो आया था १६१५ में सर टॉमस रो, वो वहां से तोहफे लेकर आया घडि़यां, शराब, पिस्तौल वगेरह मुगल बादशाह को देने के लिए तो दरबार में लोग हंस रहे थे कि कौन से गरीब से देश से आया है कोई दूत. उसने खुद लिखा कि व्यापार का समझौता करने चला तो गया भारत लेकिन भारत को देने के लिए हमारे पास है क्या? ऐसी कौनसी चीज है जो भारत में नहीं जो हम उसको दे सकें. खुद लिखा उसने कि उसको भारत देख कर ही शर्म आ रही थी कि हम क्या देंगे इनको.कपडा. भारत का दुनिया में नंबर एक पर था. ढाका का मलमल दुनिया में मशहूर था. दुनिया में २५% कपडा. भारत का बिकता था. समुद्री जहाज भारत जैसे दुनिया में कहीं नहीं बनते थे. बंगाल में बने जहाज दुनिया के सबसे मजबूत जहाज माने जाते थे. दिल्ली, आगरा, लाहौर जैसे शहर ऐसे थे कि दुनिया में ऐसे मॉडर्न शहर नहीं थे. और लंदन क्या था? भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से नालियों का सिस्टम था. वो तो चलो ५००० साल पहले की बात हो गई लेकिन जब अंग्रेज भारत आए तब तक भी उनके यहां शौच के लिए जगह नहीं होती थी, सीवर नहीं होते थे. लोग घर में ग्ा कर के उसके अंदर शौच करते थे. जब वो ग्ा भर जाता था तो मिट्टी डाल कर दूसरा ग्ा करते थे. लंदन में नालियां सीधा वहां की टेम्स नदी में गिरती थीं. जानवरों की लाशें नदी में डाल देते थे. गरीब तो सडक़ों पर खुले में शौच करते थे.१८५८ में तो ये हालत हो गई थी कि लंदन की संसद बंद करनी पड.गई थी. क्यों? क्योंकि टेम्स नदी शौच से भर गई थी. पूरे लंदन में सांस लेना मुश्किल हो गया था इतनी बदबू थी इन गोरे अंग्रेजों के प्यारे लंदन में. १८५८ की घटना को तो इनके इतिहास में 'द ग्रेट स्टिंक' के नाम से जाना जाता है. उनके बच्चे गंदगी में बीमारियों से मर जाते थे. नदी में शौच भरा हुआ था पीने की पानी तक नहीं था. और उस टाइम भारत में सडक़ें रोज धुलती थीं. नहरों का जाल था. कसाईखाने शहर से बाहर होते थे. गुसलखाने होते थे. ड्रेनेज सिस्टम होता था. नदियों पर घाट थे. घाट नियमित रूप से साफ रखे जाते थे. शहरों में बाजार ऐसे थे कि दुनिया में कहीं नहीं होते थे ऐसे बाजार. चांदनी चौक उस वक्?त की दुनिया का टाइम्ज स्क्वेयर था. इंस्टाग्राम होता ना तो सारी दुनिया आती रील बनाने. बागों में फव्वारे होते थे. ये आए थे उस भारत के साथ व्यापार करने. और युद्ध करके १७५७ में ईस्ट इंडिया कंपनी के कब्?जा कर लिया. और भारत पर टैक्स लगाकर भारत को लूटा. भारत का पैसा ब्रिटेन में खर्च होता था -भारत के टैक्स का बडा हिस्सा ब्रिटेन भेज दिया. भारत का पैसा ब्रिटेन में खर्च होता था, भारत में नहीं. भारत से सस्ते में कच्चा माल ले जाते थे. कपास ले जाते थे, नील ले जाते थे, चावल ले जाते थे. और भारत के पैसे से ब्रिटेन में कारखानों खडे.किए. और उसको कह दिया औद्योगिक क्रांति. भारत पर टैक्स लगाकर, भारत का माल लेकर, अपने कारखाने बनाकर उनका माल भारत में ही बेचने आते थे. जब आए थे तो भारत को देने लायक कुछ था नहीं इनके पास. और फिर हमारे ही पैसे से फैक्टरियां खडी कर के हमें ही माल बेचने लगे. और हमारे मजदूरों को हमारे बुनकरों को बेरोजगार कर दिया. और आज हमें कह रहे हैं कि हम उनके रोजगार ले रहे हैं?

शिलचर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस २०२६ व्यापक जागरूकता और प्रवर्तन गतिविधियों के साथ मनाया गया

प्रे.सं.शिलचर, ३१ मई, २०२६: विश्व तंबाकू निषेध दिवस २०२६ के अवसर पर, सिलचर कैंसर सेंटर ने जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, कछार के सहयोग से, सिलचर भर में जागरूकता, प्रशिक्षण, प्रवर्तन और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसका उद्देश्य तंबाकू मुक्त समाज को बढावा देना और तंबाकू नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत करना था।इस आयोजन की शुरुआत दो जागरूकता रैलियों के साथ हुईएक सिलचर कैंसर सेंटर में (जो सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर के भीतर स्थित है) और दूसरी एस.एम. देव सिविल अस्पताल परिसर में। इन रैलियों में स्वास्थ्य पेशेवरों, छात्रों, कर्मचारियों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया; वे तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों और तंबाकू छोडऩे के महत्व से जुडे.संदेशों वाले बैनर और तख्तियां लिए हुए थे।जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में, स्थानीय हाई स्कूलों में तंबाकू जागरूकता के तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), २००३' और 'तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान (ढजत्ररख)' पहल के प्रावधानों के तहत, तीन शैक्षणिक संस्थानों में 'पीली रेखा' (yellow line) चिह्नांकन की शुरुआत की गई। इनमें टोफी मॉडल स्कूल और अन्य प्रतिभागी स्कूल शामिल थे, जिनका उद्देश्य शैक्षणिक परिसरों के आसपास तंबाकू मुक्त क्षेत्रों को मजबूत करना था।

एस.एम. देव सिविल अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में TOFEI और COTPA, 2003 पर एक संवेदीकरण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें लगभग ३० स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस तंबाकू नियंत्रण नियमों के अनुपालन को मजबूत करना और तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों को बढावा देना था।COTPA, २००३ के तहत सिलचर के विभिन्न हिस्सों में एक व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला प्रशासन, सिलचर नगर निगम, जिला स्वास्थ्य समिति, जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों और अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से संपन्न हुआ। तंबाकू नियंत्रण कानूनों के उल्लंघन की निगरानी की गई, और वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।सिलचर कैंसर सेंटर में एक विशेष संवेदीकरण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बिस्वजीत घोष, डॉ. इंद्रनील सिन्हा और अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं ने तंबाकू के सेवन से जुडे.स्वास्थ्य खतरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने तंबाकू से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के अवसर पर आयोजित अन्य गतिविधियों में वृक्षारोपण अभियान और सिलचर कैंसर केंद्र में इलाज करा रहे कैंसर रोगियों को भोजन के पैकेट वितरित करना शामिल था; ये गतिविधियाँ रोगियों के कल्याण और सामुदायिक जुडाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।आयोजकों ने अधिक जागरूकता पैदा करने, तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ.करने और पूरे जिले में स्वस्थ व तंबाकू-मुक्त जीवनशैली को बढावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस संपूर्ण कार्यक्रम का समन्वय सिलचर कैंसर केंद्र के जोनल कोऑर्डिनेटर, अभिजीत भट्टाचार्जी द्वारा किया गया।

एसयुसीआई(कम्युनिस्ट) ने खराब सड्को की मरम्मत कराने के लिए डीसी को ज्ञापन सौंपा

प्रे.सं.शिलचर, ३१ मई : SUCI पाटी ने आज कछार डिस्ट्रिक्ट के कमिश्नर को एक मेमोरेंडम दिया। इसमें सिलचर शहर में कैपिटल पॉइंट-मेडिकल कॉलेज रोड और दूसरी सडक़ों की खराब हालत का पक्का हल, शहर में बनावटी बाढ.की स्थिति का पक्का हल और कैपिटल पॉइंट-मेडिकल कॉलेज रोड के कंस्ट्रक्शन में हुए भ्रष्टाचार की सही जांच की मांग की गई। यह मेमोरेंडम श्यामदेव कुर्मी, सुब्रत चंद्र नाथ, प्रोफेसर डॉ. अजय रॉय, नकुल रंजन पाल और स्वागत भट्टाचार्य समेत पाटी की डिस्ट्रिक्ट कमेटी के सदस्यों ने दिया। उन्होंने कहा कि इस समय सिलचर शहर के आम लोगों की जदिंगी बहुत मुश्किल से गुजऱ रही है। शहर के बहुत जरूरी कैपिटल पॉइंट से सिलचर मेडिकल कॉलेज तक सडक़ पर कई जगहों पर बडे-बडे.गड्ढे बन गए हैं। इस सडक़ पर हर दिन सैकडों मरीज, बुजुर्ग और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं सफर करते हैं। सडक़ की इस भयानक हालत की वजह से हर समय हादसे हो रहे हैं और बीमार मरीजों का सफर दर्दनाक और खतरनाक हो गया है। हैरानी की बात यह है कि कैपिटल प्वाइंट से मेडिकल कॉलेज जाने वाली सडक़ बनने के सिर्फ डेढ.साल के अंदर ही पूरी तरह से टूट गई है। इससे साबित होता है कि सडक़ बनाने में भारी अनियमितताएं, घटिया मटीरियल का इस्तेमाल और भ्रष्टाचार हुआ है। जनता के टैक्स के पैसे की यह बर्बादी किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जा सकती। पाटी ने बनने के डेढ.साल के अंदर ही इस सडक़ के टूटने के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ हाई लेवल जांच कमेटी बनाने की मांग की।सिर्फ मेडिकल कॉलेज रोड ही नहीं, बल्कि शहर की दूसरी मुख्य सडक़ें जैसे विवेकानंद रोड, पंचायत रोड, कटहल रोड वगैरह सालों से पूरी तरह से खस्ताहाल हैं। लंबे समय से इन सडक़ों की मरम्मत न होने से आम लोगों का गुस्सा चरम पर है।

शहर का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से चरमरा गया है। शहर की तीन मुख्य नहरें, यानी रंगिरखाल, लंगई नहर, सिंगर नहर वगैरह, साइंटिफिक तरीके से और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सही प्लान के हिसाब से साफ नहीं की जातीं। नतीजतन, बिलपर, लिंक रोड, सोनाई रोड, फाटक बाजार, विवेकानंद रोड, नेशनल हाईवे रोड वगैरह इलाकों की सडक़ें थोडी सी बारिश में ही पानी में डूब जाती हैं। सीवर का गंदा और गंदा पानी लोगों के घरों और शहर के बडे. कमर्शियल जगहों में घुस जाता है। नतीजतन, एक तरफ तो आम लोगों की जदिंगी मुश्किल हो गई है, वहीं दूसरी तरफ आम लोगों को आर्थिक नुकसान और फैलने वाली बीमारियों के फैलने का डर भी है। पाटी ने मांग की कि कैपिटल पॉइंट से सिलचर मेडिकल कॉलेज रोड तक के ग्ों को जंगी काम की तरह बहुत जल्दी भरा जाए और इस जरूरी सडक़ पर बिना 'पैचवर्क' के पक्का कंस्ट्रक्शन का काम पूरा किया जाए। बनने के सिर्फ.डेढ.साल के अंदर ही इस सडक़ के टूटने की वजह जानने के लिए हाई लेवल की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों को कडी सजा दी जाए। शहर की सभी टूटी-फूटी सडक़ों, जिसमें विवेकानंद रोड, पंचायत रोड, कटहल रोड जैसी दूसरी सडक़ें भी शामिल हैं, को तुरंत ठीक किया जाना चाहिए और बिलपार, लिंक रोड, सोनाई रोड, फाटक बाजार और आस-पास के इलाकों को साइंटिफिक तरीके से ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करके बनावटी बाढ.से हमेशा के लिए बचाया जाना चाहिए। पाटी को उम्मीद है कि प्रशासन सिलचर के लोगों के हित में और नागरिकों की परेशानी को खत्म करने के लिए तुरंत असरदार कदम उठाएगा।

काछार जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी ८ एवं ९ जून को

उधारबंद, निहार कांति राय ३१ मई : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के तत्वावधान में आगामी ८ एवं ९ जून २०२६ को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), कछार में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।इस वर्ष प्रदर्शनी का मुख्य विषय ङ्गविकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM)" निर्धारित किया गया है। प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, नवाचार और रचनात्मकता के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जाएगा।प्रदर्शनी के प्रमुख उप-विषयों में सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, मनोरंजक गणितीय मॉडल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा जल संरक्षण एवं प्रबंधन शामिल हैं।डायट कछार के प्राचार्य ने एक विज्ञप्ति जारी कर जिले के विद्यालयों के कक्षा ६ से १२ तक के विद्यार्थियों से इस प्रदर्शनी में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान की भावना तथा नवाचार की क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रदर्शनी से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक डायट कछार की आधिकारिक वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का अवलोकन कर सकते हैं।

RSS के होजाई स्थित २० दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग का भव्य समापन

समाज को खंडित करने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा : शंकर दास कलिता

होजाई, असम, ३१ मई २०२६। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, असम क्षेत्र द्वारा आयोजित २० दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग (प्रथम, सामान्य) का समापन आज गीताश्रम, होजाई में भव्य एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। वर्ग में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए १०२ स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन अवसर पर स्वयंसेवकों के अनुशासित एवं आकर्षक शारीरिक प्रदर्शन ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किया।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं असम क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख श्री शंकर दास कलिता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले सौ वर्षों से समाज संगठन एवं राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर संलग्न है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में भारतीय इतिहास, संस्कृति और पंपराओं को विकृत रूप में प्रस्तुत किए जाने के कारण नई पीढी अपने सांस्कृतिक आधार से दूर हुई है। पश्चिमी भौतिकवाद, अति-व्यक्तिवाद तथा उपभोक्तावाद ने समाज और परिवार की पारंपरिक संरचनाओं को भी चुनौती दी है।उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और विभिन्न वैचारिक शक्तियाँ युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। तथाकथित ठशर्वीलींळेपळीी अींरिलह समाज को जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य संकीर्ण पहचानों के आधार पर विभाजित करती है, जिससे सामाजिक एकात्मता कमजोर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि डलळशपीेळषळल डे-ळलरश्रळीा तथा शहरी नक्सलवाद जैसी प्रवृत्तियाँ समाज में कृत्रिम विभाजन और संघर्ष की मानसिकता को बढावा देती हैं।

असम की वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए श्री कलिता ने कहा कि एक ओर वैश्वीकरण की बात होती है, वहीं दूसरी ओर समाज को ऊपरी असम-निचला असम, बराक-ब्रह्मपुत्र, असमिया-बांग्लाभाषी, हिन्दीभाषी-गैर हिन्दीभाषी तथा विभिन्न जातीय समूहों के आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विविधताओं को संघर्ष नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार बनाया जाना चाहिए। भाषा और लिपि से जुडे.प्रश्नों को भी समाज को बांटने का माध्यम नहीं बनने देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संघ का कार्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' तथा 'एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे सनातन मूल्यों के आधार पर समाज को संगठित कर विश्वबंधुत्व और सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित करना है।अपने आशीर्वचन में मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स स्थित पारंपरिक खासी राज्य हिमा खैरिम के उप-राजा श्री हाबापान सिंसियेम ने स्वधर्म आधारित

सेंग खासी के प्राचीन उच्च मूल्यबोध समाज एवं देश में शांति स्थापन करने में सहायक बनेगी, ऐसा आशा व्यक्त की।समापन समारोह में असम के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में स्वयंसेवक, हितैषी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह वर्ग वर्ग सर्वाधिकारी श्री पी. वी. एस. एल. एन. मूर्ति तथा वर्ग कार्यवाह श्री दिनेश्वर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में असम क्षेत्र संघचालक डॉ. उमेश चक्रवती भी उपस्थित रहे। समापन राष्ट्रभक्ति तथा भारत को परम वैभव के शिखर तक पहुँचाने के संकल्प के साथ हुआ।

श्री लोकनाथ बाबा का १३७वां तिरोधन दिवस १८-१९ जून को, आयोजन की तैयारियां पूर्ण

उधारबंद, निहार कांति राय। ३१ मई : उधारबंद स्थित श्री श्री लोकनाथ बाबा सेवा समिति द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री श्री लोकनाथ बाबा का १३७वां तिरोधन दिवस मनाया जाएगा। यह दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव आगामी १८ एवं १९ जून (मंगलवार एवं बुधवार) को जे.सी. गर्ल्स हाई स्कूल रोड स्थित बाबा के स्थायी मंदिर परिसर में आयोजित होगा।समिति ने क्षेत्र के धर्मप्राण श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने तथा अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की है।आयोजन के प्रथम दिन १८ जून को प्रातः ६ बजे श्री श्री लोकनाथ बाबा की प्रतिकृति के साथ भव्य नगर परिक्रमा एवं शोभायात्रा निकाली जाएगी। सायं ६ बजे बाबा का शुभ अधिवास, महास्नान एवं अधिवास कीर्तन आयोजित किया जाएगा।

दूसरे दिन १९ जून को प्रातः ८ बजे घट स्थापना एवं पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। प्रातः ९ बजे बाल्य भोग, १० बजे श्रीमद्भगवद्गीता पाठ, ११ बजे अंजलि अर्पण तथा ११:४० बजे मंगल दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा।दोपहर १२ बजे से शाम ५ बजे तक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके पश्चात सायं ६:३० बजे आरती तथा रात्रि ७ बजे भजन-कीर्तन का आयोजन होगा।समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि तिरोधन दिवस के अवसर पर बडी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है और सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512